।। श्री हरि शरणम् ।।

रायसेन से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

अमृत दर्शन

RNI No. MPHIN/2012/43555

वर्ष - 13 अंक - 252

रायसेन
गुरुवार, 12 मार्च 2026

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

रायसेन, नर्मदापुरम एवं भोपाल से प्रकाशित

खास बात

विष किसी भी नियत से खाया जाय, विष ही का काम करेगा। कभी अमृत नहीं हो सकता। जवानी दीवानी होती है।
- प्रेमचंद्र

मुख्यमंत्री डॉ. यादव, हटा में महिला सशक्तिकरण सम्मेलन में हुए शामिल

हमारे मध्यप्रदेश में जन्म से लेकर आजीवन पूजी जाती हैं बेटियां : मुख्यमंत्री

- बेटियों और महिलाओं का कल्याण हमारी प्राथमिकता, सरकार उठा रही सभी कदम
- लाड़ली लक्ष्मी योजना से लिंगानुपात में हो रहा सुधार
- सहेली बनकर सरकार की योजनाएं हर कदम पर हैं महिलाओं के साथ
- हटा में 405.58 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों का किया भूमि-पूजन

भोपाल ■ विसं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जहां बेटियां जन्म से लेकर आजीवन पूजी जाती हैं, वह सिर्फ़ और सिर्फ़ अपना मध्यप्रदेश ही है। नारी सदैव पूजनीय हैं। हम अपने देश को भी जननी मानकर भारत माता की जय कहकर पूजते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बेटियों और महिलाओं के समग्र विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। सरकार की योजनाएं महिलाओं के जीवन में हर कदम पर पक्की सहेली बनकर उनके साथ खड़ी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को दमोह जिले के हटा में महिला सशक्तिकरण सम्मेलन सह शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लाड़ली लक्ष्मी योजना के कारण प्रदेश के लिंगानुपात में व्यापक सुधार हुआ है। साथ ही बेटियों के प्रति समाज की सोच में भी सकारात्मक परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि लाड़ली बहनों की प्रगति और आशीर्वाद से ही प्रदेश में समृद्धि आ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से दमोह जिले के लिए 405 करोड़ 58 लाख रुपये से अधिक की लागत के 13 विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। इसमें लगभग 232 करोड़ रूपए की लागत से हटा से गैसाबाद सिमरिया मार्ग (एसएच-55) के 73 किमी मार्ग के टू-लेन रोड के रूप में उन्नयन एवं चौड़ीकरण, 74 करोड़ 44 लाख रूपए की लागत से मडियादो से बर्धा किशनगढ़ सड़क निर्माण और 48 करोड़ 89 लाख रूपये की लागत से मड़ियादो से रजपुरा मार्ग के निर्माण कार्य का भूमि-पूजन शामिल है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विरासत से विकास के मूल मंत्र को अपनाते हुए प्रदेश में उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं। विगत वर्ष बुंदेलखंड क्षेत्र के वैश्विक पर्यटन स्थल खजुराहो में स्टेट कैबिनेट की मीटिंग कर सरकार ने 27 हजार 500 करोड़ रूपए से अधिक के विकास कार्यों को मंजूरी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हाल में ही सर्वाइकल कैंसर की वैक्सीन का टीकाकरण शुरू हुआ है।

हटा अब बनेगा शिवकाशी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हटावासियों की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी करते हुए हटा का नाम बदलकर इसे शिवकाशी नाम देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हटा श्री श्री 1008 देवश्री गौरीशंकर की नगरी है, इसलिए अब इसे शिवकाशी के रूप में ही जाना जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हटावासियों को और भी कई सौगातें दीं। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि हटा में नवीन आईटीआई भवन बनाया जाएगा। हटा में सर्वसुविधायुक्त नवीन नगर पालिका भवन एवं भव्य गीता भवन भी निर्मित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र में कार्य का दायदा बहुत विस्तृत है, इसलिए हटा के महाविद्यालय में अब कृषि, उद्यानिकी एवं पशुपालन संकाय/विषय भी पढ़ाये जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विनती-मड़ियादौ-चौरईया मार्ग का चौड़ीकरण कराया जाएगा।

उड़ता तीर

सागर में ज्ञानवीर विश्वविद्यालय का किया शुभारंभ

बुंदेलखंड में शिक्षा का लिखा जा रहा है नया अध्याय : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल ■ विसं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारत में मातृ सत्ता प्रधान संस्कृति है। भारत की छवि विश्व गुरू की रही है। दुनिया में केवल भारतीय संस्कृति है, जिसने अपने मूल्यों के आधार पर ज्ञान की धारा को तक्षशिला और नालंदा विश्वविद्यालयों के माध्यम से विश्व के कोने-कोने में पहुंचाया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का समय बदला है। अब हमारा देश आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में विश्व का नेतृत्व कर रहा है। भारत अपने कौशल के बल पर आधुनिक तकनीक में विश्व में नंबर वन बन रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महान शिक्षाविद् डॉ. हरि सिंह गौर ने अपनी जमा पूंजी लगाकर बुंदेलखंड के सागर में शिक्षा का नया सूर्योदय किया। गौर के प्रयासों से बुंदेलखंड को केंद्रीय विश्वविद्यालय की सौगात मिली है। यहां विभिन्न कोर्स की पढ़ाई कर निकले विद्यार्थियों ने देश-विदेश में अपनी अलग पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राहतगढ़ और जेसीनगर में श्रमिकों के बच्चों के

लिए लाइब्रेरी बनाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को सागर में ज्ञानवीर विश्वविद्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस क्रम में आज सागर में मां सरस्वती की कृपा से शिक्षा का एक नया अध्याय लिखा जा रहा है। ज्ञानवीर विश्वविद्यालय के रूप में शिक्षा के आधुनिक मंदिर बुंदेलखंड के युवाओं के सामर्थ्य और संकल्पों को नई ऊंचाई देगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस पहल के लिए खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत का अभिवादन किया। उन्होंने कहा कि ज्ञानवीर के केवल विश्वविद्यालय का नाम नहीं बल्कि एक बेटे का अपने माता-पिता के चरणों में श्रद्धा सुमन है। मंत्री राजपूत ने इस संस्थान को अपनी पूज्य माता ज्ञानबाई जी के नाम से ज्ञान और अपने श्रद्धेय पिता वीर सिंह के नाम से वीर शब्द लेकर उन्हें समर्पित किया है।

मुख्यमंत्री ने बढ़ाया छात्र-छात्राओं का उत्साह

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मूट कोर्ट का अवलोकन करते हुए वहां मौजूद छात्र-छात्राओं से संवाद किया। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक अनुभव ही एक कुशल अधिवक्ता और न्यायविद तैयार करने में सहायक होता है। उन्होंने आधुनिक शिक्षा पद्धति में ऐसी सिम्युलेटेड लर्निंग (प्रायोगिक शिक्षण) को उपयोगी बताया। विश्वविद्यालय प्रबंधन के अनुसार, मूट कोर्ट के माध्यम से छात्र अपनी झिझक दूर कर सकेंगे और भविष्य में उच्च न्यायालयों व सर्वोच्च न्यायालय में पैरवी के लिए खुद को तैयार कर सकेंगे।

सागर के विकास में मुख्यमंत्री का योगदान अविस्मरणीय: मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत

खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने ज्ञानवीर विश्वविद्यालय के लोकार्पण अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस दिन को सागर के लिए ऐतिहासिक बताते हुए विकास के कई महत्वपूर्ण पड़ावों को रेखांकित किया। मंत्री राजपूत ने कहा कि आज का दिन बेहद सौभाग्यशाली है। उन्होंने याद दिलाया कि ज्ञानवीर विश्वविद्यालय की फाइल पर डॉ. मोहन यादव ने तभी हस्ताक्षर कर इसकी शुरुआत कराई थी, जब वे प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री थे। सागर अब उन चुनिंदा शहरों में शामिल है जहाँ केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ राजकीय विश्वविद्यालय (स्टेट यूनिवर्सिटी) और मेडिकल कॉलेज की सुविधा भी उपलब्ध है।

आत्मनिर्भर भारत के महत्व पर जोर दिया

पीएम मोदी बोले- फंसे भारतीयों की सुरक्षा में जुटी सरकार, कांग्रेस कर रही राजनीति

कोच्चि ■ एजेंसी

कोच्चि में पीएम मोदी ने पश्चिम एशिया में फंसे भारतीयों की सुरक्षा का भरोसा दिया और खाड़ी देशों का आभार जताया। पीएम ने कांग्रेस पर संकट के समय राजनीति करने का आरोप लगाया और आत्मनिर्भर भारत के महत्व पर जोर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोच्चि में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने त्रिशूर लोकसभा सीट और तिरुवनंतपुरम कॉर्पोरेशन में भाजपा की जीत का जिक्र किया। उन्होंने भरोसा जताया कि भाजपा की यह सफलता अब पूरे केरल में फैलेगी। पीएम ने कहा कि केरल में एलडीएफ और यूडीएफ के बारी-बारी शासन करने के पुराने तरीके को बदलना अब बहुत जरूरी है। उन्होंने लोगों से अगले पांच साल एनडीए को सेवा का मौका देने की अपील की। उन्होंने जनता को 'मोदी की गारंटी' का भरोसा दिया।

पीएम का विपक्ष पर हमला: पीएम मोदी ने राहुल गांधी पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राजकुमार केरल और भारत के युवाओं की सोच को नहीं समझते। उन्होंने केरल के भविष्य के लिए अपनी योजना साझा की। उन्होंने कहा कि हम केरल को एआई (एआई) और भविष्य की नई तकनीक का बड़ा केंद्र बनाने के लिए काम करेंगे।

भारतीयों की सुरक्षा पर की बात: प्रधानमंत्री ने विदेश में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा पर भी बात की। उन्होंने कहा कि आज का भारत अपने नागरिकों को कहीं भी मुसीबत में अकेला नहीं छोड़ता। पीएम मोदी ने कहा, 'वेस्ट एशिया में जो कुछ हो रहा है, उससे आप सभी का चिंतित होना बहुत स्वाभाविक है। हमारे लाखों भाई-बहन वहां काम करते हैं। जब भी हमारा कोई देशवासी संकट में पड़ता है तो हमारी सरकार उसे सुरक्षित बचाने के लिए पूरी ताकत लगा देती है। आज का भारत अपने नागरिकों को संकट में अकेला नहीं छोड़ता है। आज भी हमारा प्रयास है कि युद्ध की हालत में फंसे भारतीयों को सुरक्षा मिले, हरसंभव सुविधा मिले।'

खाड़ी देशों का जताया आभार

इसके साथ ही पीएम ने खाड़ी देशों का भी आभार जताया जो विषम परिस्थिति में फंसे लोगों की मदद करने का प्रयास कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा, 'मुझे संतोष है कि गल्फ के हमारे सभी मित्र देशों की सरकारें भी हमारे देश के नागरिकों का पूरा ध्यान रख रही हैं। मैं उन सभी सरकारों का आभारी हूं। वहां हर देश में हमारे जो दूतावास हैं, हमारे मिशन हैं, वे 24/7 उनकी मदद कर रहे हैं। किसी को भी खाना-पीना चाहिए, मेडिकल हेल्प चाहिए, रहने की जगह चाहिए या कानूनी मदद चाहिए, तो इसे सुनिश्चित किया जा रहा है। लेकिन यह बहुत बड़ा दुर्भाग्य है कि कांग्रेस इतने बड़े वैश्विक संकट में भी राजनीति ढूंढ रही है।'

अंतर्मना उवाच

मुर्गे से किसी ने पूछा *- लोग तुम्हें सुख शांति से जीने क्यों नहीं देते..? और काट कर खा जाते हैं..* ***मुर्गे ने कहा*** *- जो दूसरों को जगाता है, लोग उसका यही हाल करते हैं..!*

मित्रों! बात बहुत गहरी है *- दुनिया से बात कराने वाला मोबाइल भी जब आप खुद का नंबर डायल करते हैं तो बिजी बताता है..!! खुद का नंबर खुद के मोबाइल से नहीं लगता।* ***हम दूसरों से घंटों बात करते हैं, लेकिन कभी कभी हमें खुद से भी बात करनी चाहिए और खुद की बात सुननी भी चाहिए।*** *भाग-दौड़ भरी जिंदगी में हम खुद को ही भूल जाते हैं। दूसरों के सुख, खुशी और उनकों खुश करने के लिए हम अपने आप को नजरअंदाज करके जीये जा रहे हैं।* ***अरे भाई*** *- 24 घंटों में 23 घंटे का समय, घर परिवार, व्यापार और समाज को दे दो, लेकिन एक घंटे का समय खुद और खुदा के लिए जरूर निकालो।*

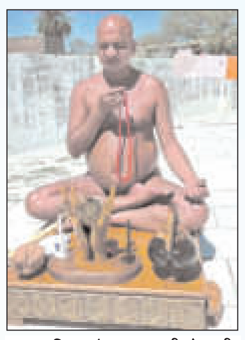

मंगल बिहार के समय भरी दोपहरी में सामायिक करते अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

मन के भीतर चल रही अंतर-द्वंद्व की बातों को सुनो, समझो, जानो और जीने का प्रयास करो।

अपने आप से पूछो --

- मैं आज कैसा महसूस कर रहा हूं-?
- आज मुझे किस कार्य से या किस बात से खुशी मिली-?
- किस बात ने दु:खी परेशान किया-?
- आज मुझे किस डर ने सताया-?

यही सब प्रश्न आपके आत्म विश्वास को जागृत करके जीने की प्रेरणा बनेंगे। *जो इंसान खुद की भावनाओं को समझ लेता है, वही दूसरों को बेहतर समझ पाता है। जब व्यक्ति खुद के प्रति इमानदार होता है, तो उसकी सोच भी साफ-सुथरी हो जाती है। उसके निर्णय लेने की क्षमता मजबूत हो जाती है और खुद के व्यक्तित्व में ठहराव आ जाता है, फिर दूसरों को सफाई देने की और सही साबित करने की आवश्यकता नही पड़ती।* ***खुद की बात सुनने और खुद को समय देने से आत्म-चिंतन बढ़ता है। स्वयं की शक्ति का एहसास होता है और खुद की कमज़ोरी का भी पता चलता है।*** *खुद की कमज़ोरी जब स्वीकार ली जाती है तब शर्म नहीं, सुधार का रास्ता बन जाती है। धीरे-धीरे आपकी बॉडी लेंग्वेज, बोलने का तरीका, और लोगों से जुड़ने की क्षमता भी बदलने लगती है।* ***आज का सबसे असरदार कोच आपके भीतर ही मौजूद है - बस जरूरत है खुद को खुद से सुनने की।***

टाइम मी *- 24 घंटे में, एक घंटे का समय अपने लिए निकालें। यह छोटी-सी आदत आपकी सोच को मजबूत करेगी, आत्म विश्वास बढ़ायेगी और आपके व्यक्तित्व को निखारेगी, क्योंकि --* ***जो खुद से बात करना सीख जाता है, वह दुनिया से भी सही तरीके से बात करना सीख जाता है...!!!***

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

रूस से 3 करोड़ बैरल कच्चा तेल खरीदेगा भारत

रिलायंस-IOC ने बुकिंग की, ईरान जंग के बीच सप्लाई बंद होने के बाद फैसला

नईदिल्ली ■ एजेंसी

ईरान-इजराइल में जारी जंग के बीच स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज रूट बंद हो गया है। ऐसे में कच्चे तेल की सप्लाई बंद होने के बाद भारत करीब 3 करोड़ बैरल कच्चा तेल रूस से खरीदेगा। यह दावा ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में किया गया है। रिपोर्ट में बताया कि इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (IOC) और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी कंपनियों ने रूस से तेल के एग्रीमेंट किए हैं। हाल ही में अमेरिका ने समुद्र में फंसे रूसी तेल के शिपमेंट्स खरीदने के लिए भारत को 30 दिन (3 अप्रैल तक) की छूट देने का दावा किया था। हालांकि, इस पर भारतीय अधिकारी कह चुके हैं कि भारत तेल खरीदने के लिए किसी भी देश की इजाजत पर निर्भर नहीं है।

एशियाई समुद्री सीमा में फंसा तेल खरीदा: रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमलों के बाद 'स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज' के जरिए होने वाली तेल की सप्लाई प्रभावित हुई है। ऐसे में भारतीय रिफाइनर्स ने उन रूसी जहाजों को सुरक्षित किया है जो पहले से ही एशियाई समुद्र में मौजूद थे, लेकिन उन्हें खरीदार नहीं मिल रहे थे।

ट्रेडर्स का कहना है कि इंडियन ऑयल ने करीब 1 करोड़ बैरल और रिलायंस ने भी कम से कम 1 करोड़ बैरल तेल खरीदा है। बाकी बचा हुआ तेल अन्य भारतीय रिफाइनिंग कंपनियों ने लिया है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की बेटी का हार्ट अटैक से निधन

बैतूल। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष और बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल की 34 वर्षीय पुत्री सुरभि खंडेलवाल का बुधवार को हृदय गति रुकने से निधन हो गया। वे लंबे समय से अस्वस्थ थीं। आज शाम 5 बजे बैतूल में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। मध्यप्रदेश बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष और बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल की बेटी सुरभि खंडेलवाल का बुधवार दोपहर हार्ट अटैक से निधन हो गया। सुरभि 34 साल की थीं और पिछले काफी समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रही थीं। इस दुखद खबर के बाद पूरे बैतूल जिले में शोक की लहर छा गई है। पारिवारिक सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुरभि खंडेलवाल जन्म से ही शारीरिक रूप से अस्वस्थ थीं, जिसके कारण परिवार उनकी सेहत को लेकर सदैव अत्यधिक सतर्क रहता था।

लोकसभा से खारिज हुआ स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

दोनों सदन गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित

नईदिल्ली ■ एजेंसी

संसद के बजट सत्र में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ लाया गया अविश्वास प्रस्ताव खारिज हो गया है। इस पर गृह मंत्री अमित शाह ने जवाब दिया। इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोक सभा में स्पीकर के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान, वोटिंग और इसके ध्वनिमत से खारिज होने के बाद पीठासीन अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने सदन की कार्यावाही गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

लोकसभा में स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव अस्वीकृत हुआ: लोकसभा में स्पीकर के खिलाफ विपक्ष की तरफ से लाया गया अविश्वास प्रस्ताव अस्वीकृत हो गया है। इस दौरान विपक्ष की तरफ से जोरदार हंगामा किया गया, वहीं गृहमंत्री अमित शाह ने इससे पहले विपक्ष पर करारा हमला भी बोला। पीठासीन अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने अविश्वास प्रस्ताव के खारिज होने का फैसला सुनाया।

गृहमंत्री अमित शाह के संबोधन के दौरान विपक्ष की तरफ से जोरदार हंगामा किया गया। इस दौरान प्रदर्शन कर रहे विपक्षी सदस्यों ने गृहमंत्री अमित शाह से माफी की मांग की।

ढाई दिन में मिलेगा सिलिंडर: सरकार का दावा

एलपीजी की सप्लाई पूरी तरह नियंत्रण में, नहीं होगी कोई किल्लत

नईदिल्ली ■ एजेंसी

भारत की कच्चे तेल की आपूर्ति पूरी तरह सुरक्षित है और सरकारी उपायों से एलपीजी उत्पादन में 25% की भारी वृद्धि हुई है। सरकार ने बताया है कि देश में गैस आपूर्ति सामान्य है और उपभोक्ताओं को महज ढाई दिन में सिलिंडर की आपूर्ति की जा रही है, इसलिए किसी पैनिक बुकिंग की जरूरत नहीं है।

भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने साफ किया है कि देश में कच्चे तेल की आपूर्ति बिना किसी बाधा के और पूरी तरह से सुरक्षित रूप से जारी है। घरेलू उपभोक्ताओं को बुकिंग के बाद ढाई दिनों में सिलिंडर मिल जा रहा है और यह डिलिवरी की सामान्य साइकिल है। मंत्रालय ने देशवासियों से अपील की है कि वे एलपीजी सिलिंडर की किल्लत की किसी भी प्रकार की आशंका के चलते 'पैनिक बुकिंग' बिल्कुल न करें। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने एक ब्रीफिंग में पत्रकारों को बताया कि भारत की कच्चे तेल की आपूर्ति सुरक्षित बनी हुई है।

उन्होंने कहा, 'फीडबैक से पता चलता है कि गलत जानकारी के कारण कुछ लोग घबराकर सिलिंडर बुक करा रहे हैं और जमाखोरी कर रहे हैं। मैं साफ करना चाहती हूं कि घरेलू एलपीजी की हमारी सामान्य डिलीवरी साइकिल लगभग ढाई दिन की है, इसलिए मैं अनुरोध करती हूं... ग्राहकों को सिलिंडर बुक कराने के लिए जल्दबाजी करने की कोई जरूरत नहीं है... घबराकर बुकिंग कराने की कोई जरूरत नहीं है।'

पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिकारी ने बताया कि दो एलएनजी कार्गो भारत की ओर चल पड़े हैं। कुछ ही दिनों में देश पहुंच जाएंगे। हमारी रिफाइनरी अधिकतम क्षमता के साथ काम कर रहे हैं। कुछ रिफाइनरी 100% से अधिक की क्षमता के साथ काम कर रहे हैं।

3 बच्चों के साथ कुएं में कूदी मां...मासूमों की मौत

बड़वाह (खरगोन)। मध्य प्रदेश के खरगोन जिला में मां ने पहले अपने दो मासूम बच्चों को कुएं में धक्का दे दिया। इसके बाद 20 दिन के नवजात को लेकर खुद भी कुएं में कूद गई। तीनों बच्चों की पानी में डूबने से मौत हो गई, जबकि मां खुद जिंदा बाहर निकाल गई। मामला सनावद थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार मृतकों में अर्जुन (4), करण (2) और एक 20 दिन का नवजात शामिल है। वहीं बच्चों मारकर छलांग लगाने वाली महिला का नाम नानी बाई है। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर बताई जा रही है। मजदूरी करके ही परिवार का गुजारा चल रहा था।

संक्षिप्त समाचार

सहकारी समितियों से लिये गये खरीफ ऋण की अदायगी किसान भाई 28 मार्च तक करें

खण्डवा। खरीफ-2025 में किसान क्रेडिट कार्ड से लिए ऋण की अदायगी तिथि 28 मार्च निर्धारित है। जिला सहकारी बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि सहकारी बैंक खण्डवा से संबध्द जिला खण्डवा एवं बुरहानपुर की 157 पैक्स समितियों के किसान सदस्य जिन्होंने खरीफ-2025 सीजन के लिए अल्पावधि कृषि ऋण लिया है, वे सभी किसान सदस्य 28 मार्च तक खरीफ-2025 सीजन का समस्त केसीसी ऋण अनिवार्यत: जमा करें और शासन की शून्य प्रतिशत ब्याज दर योजना का लाभ उठायें। उन्होंने बताया कि यदि 28 मार्च तक खरीफ-2025 का ऋण जमा नहीं किया गया, तो सदस्यों को शून्य प्रतिशत ब्याज दर योजना का लाभ नहीं मिल पायेगा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि कृषकों को ऋण लेने की दिनांक 28 मार्च तक, 7 प्रतिशत की दर से ब्याज का भुगतान करना होगा एवं 28 मार्च से कालातीत होने की स्थिति में ष्कालातीत होने की दिनांक से ऋण राशि जमा करने की दिनांकष् तक 12 प्रतिशत की दर से ब्याज राशि का भुगतान करना होगा। जिला खण्डवा एवं बुरहानपुर की पैक्स समितियों के सभी नियमित किसान सदस्यों से अपील की है कि ड्यू डेट अर्थात अदायगी तिथि 28 मार्च तक ऋण की राशि समिति में जमा करके शासन की शून्य प्रतिशत ब्याज दर योजना का लाभ उठायें तथा ब्याज एवं दण्ड ब्याज के अतिरिक्त भार से बचें।

बुधवार को 515 किशोरियों को लगाये गए एचपीवी के टीके

खण्डवा। सर्वाइकल कैंसर से बचाव के उद्देश्य से एचपीवी टीकाकरण अभियान के तहत 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों को एचपीवी व्हेक्सीन के टीके लगाये जा रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को 515 किशोरियों को एचपीवी के टीके लगाए गये। जिले में अभी तक कुल 1849 किशोरियों को एचपीवी टीके लगाए जा चुके हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जुगतावत ने बताया कि ये टीके जिला चिकित्सालय खण्डवा के साथ साथ सिविल हॉस्पिटल, सामुदायिक स्वास्थ्य, प्राथमिक स्वास्थ्य, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा संजीवनी क्लिनिक पर भी लगाए जा रहे हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जुगतावत ने बताया कि टीकाकरण के लिए यूविन पोर्टल के माध्यम से ऑनलाईन भी पंजीयन किया जा सकता है। उन्होंने सभी पालकों से अपील की है कि 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं को भविष्य में होने वाली सर्वाइकल कैंसर की संभावनाओं की रोकथाम के लिए एचपीवी का टीका निर्धारित टीकाकरण केन्द्र पर जाकर जरुर लगवायें।

ग्वालियर में छेड़छाड़ मामले में राजीनामा न करने पर हमला

ग्वालियर। ग्वालियर में छेड़छाड़ और एससी-एसटी एक्ट के मामले में राजीनामा न करने पर एक तलाकशुदा महिला पर धारदार हथियार से हमला किया गया। यह घटना मंगलवार रात करीब 10 बजे कंपू थाना क्षेत्र के गोल पहाड़िया के नीचे हुई। आरोपी जॉनी गुर्जर ने महिला पर पीछे से वार किया, जिससे उनके सिर, कंधे, चेहरे और पेट पर गंभीर चोटें आईं और 50 से अधिक टांके लगे। महिला अपनी बड़ी बहन से मिलकर घर लौट रही थीं।

डॉक्टर को रेप-पॉक्सो में फंसाने की धमकी, 37 लाख मांगे

जबलपुर में खुद को पत्रकार बताकर 10 लाख में सौदा किया; रुपए लेते हुए गिरफ्तार

जबलपुर ■ निसं

जबलपुर के संजीवनी नगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने रेप और पॉक्सो एक्ट में फंसाने की धमकी देकर पैसे मांगने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शिकायतकर्ता डॉ. अमित खरे की शिकायत पर पुलिस ने मंगलवार रात प्रवीण सिंह और उसके दो साथियों को एक स्कॉर्पियो वाहन सहित पकड़ लिया।

शिकायत के मुताबिक आरोपी खुद को एक निजी चैनल का रिपोर्टर बताकर अमित खरे से 37 लाख रुपए की मांग कर रहे थे। आरोपियों ने धमकी दी थी कि एक लड़की उनके खिलाफ रेप और पॉक्सो एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कराने वाली है।

27 फरवरी से वॉट्सएप कॉल पर शुरू हुई बातचीत: अमित खरे ने पुलिस को बताया कि 27 फरवरी को उनके मोबाइल पर एक वॉट्सएप कॉल आया। कॉल करने वाले ने अपना नाम प्रवीण सिंह बताया और कहा कि वह उनके दोस्त अभिषेक पांडे को जानता है। इसके बाद दोनों के बीच लगातार बातचीत होने लगी।

28 फरवरी को प्रवीण सिंह ने फिर कॉल कर बताया कि एक लड़की उनके खिलाफ रेप की एफआईआर दर्ज कराने की तैयारी कर रही है। उसने यह भी कहा कि वह इस एफआईआर को रुकवा सकता है।

37 लाख से घटाकर 10 लाख तक पहुंची मांग: 1 मार्च को आरोपी ने फिर कॉल कर कहा कि लड़की नागपुर से आने वाली है। बचना है तो 37 लाख रुपए की व्यवस्था कर लो। बाद में बातचीत के दौरान उसने रकम 25 लाख और फिर 10 लाख रुपए तक कर दी।

कछपुरा ब्रिज पर रुपए लेने पहुंचा आरोपी: 9 मार्च को फिर से कॉल कर आरोपी ने 10 लाख रुपए की मांग की और शुक्रवार तक का समय दिया। मंगलवार शाम को बातचीत के दौरान कछपुरा ब्रिज पर मिलने की बात तय हुई। रात करीब 9 बजे अमित खरे रुपए देने पहुंचे।

जैसे ही अमित खरे ने रुपए से भरा बैग प्रवीण सिंह को दिया, पहले से मौजूद पुलिस ने घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को पकड़ लिया। आरोपी स्कॉर्पियो से मौके पर पहुंचे थे।

स्कॉर्पियो से माइक ढ्ष्ठ और शराब की बोतल मिली: पुलिस को आरोपियों की स्कॉर्पियो से एक न्यूज चैनल की माइक आईडी और शराब की बोतल भी मिली है। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी खुद को रिपोर्टर बताते हुए पुलिस पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा था।

शहर से बाहर की गैंग से जुड़े होने का दावा

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि यह काम उसने शहर से बाहर की एक गैंग के कहने पर किया है। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों की जानकारी जुटा रही है। संजीवनी नगर थाना पुलिस ने प्रवीण सिंह और उसके दो साथियों के खिलाफ धारा 308(1), 308(6) और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी बीडी द्विवेदी के अनुसार पुलिस उस लड़की की भी तलाश कर रही है, जिसका जिक्र आरोपी बार-बार कर रहा था।

सर्व प्रजापति उत्थान समिति द्वारा नीलकंठेश्वर मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई

सागर। मिट्टी से संस्कृति गढने वाला प्रजापति समाज की 500 महिलाओं ने यादे माता स्मरण दिवस पर समाज की कुलदेवी मां यादे की जयंती अवसर पर कलश शोभा यात्रा निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। आकर्षक झांकी भी शामिल हुई। सिंधी घाटी सभ्यता से जुड़ी कुम्हार, प्रजापति समाज की परंपरा आज भी जीवंत है। समाज के जुगलकिशोर प्रजापति के अनुसार सागर में प्रजापति समाज की आबादी करीब 17 हजार है। इस अवसर पर समाज द्वारा शीतला सप्तमी पर विशेष आयोजन किए गए। यात्रा इतवारा टोरी स्थित नीलकंठेश्वर मंदिर से शुरु हुई। यहां से विजय टॉकीज कटरा, नमक मंडी, गौर मूर्ति होते हुए इतवारा टोरी पहुंची। जहां पूजन आरती के बाद इसका समापन किया।

सागर में कुएं में मिले मां-बेटी के शव:4 माह से मायके में थी महिला

सागर। सागर के जैसीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम हिन्नोद में एक 29 वर्षीय महिला और उसकी 5 वर्षीय बेटी का शव कुएं में मिला है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों शवों को बाहर निकाला और बुधवार को पोस्टमार्टम कराया। प्राथमिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस अन्य सभी पहलुओं पर भी बारीकी से जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, ग्राम नाहरमऊ निवासी सीमा (पत्नी भागीरथ पाल) अपनी 5 वर्षीय बेटी प्रियांशी के साथ पिछले करीब चार माह से अपने मायके हिन्नोद में रह रही थी। मंगलवार को वह बेटी के साथ खेत की तरफ गई थी, लेकिन जब देर तक वापस नहीं लौटी, तो परिजनों ने तलाश शुरू की। बाद में दोनों के शव खेत में बने कुएं में मिले। मृतका के भाई संजू पाल ने बताया कि सीमा की शादी वर्ष 2017 में नाहरमऊ निवासी भागीरथ पाल से हुई थी। भाई का आरोप है कि पति अक्सर सीमा के साथ मारपीट और विवाद करता था।

समाधान योजना का लाभ बताने गए बिजली कर्मचारियों को मिली गालियां और धमकी

रेहटी ■ निसं

मध्य प्रदेश शासन की बिजली बिल समाधान योजना के तहत उपभोक्ताओं को राहत पहुंचाने निकले बिजली विभाग के दल को अभद्रता और जान से मारने की धमकी का सामना करना पड़ा। मामला रेहटी थाना अंतर्गत ग्राम बीवदा का है, जहां एक बकायादार उपभोक्ता के प्रतिनिधि ने न केवल शासकीय कार्य में बाधा डाली, बल्कि ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को मां-बहन की गंदी गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार 7 मार्च को वरिष्ठ कार्यालय के आदेशानुसार ग्राम बीवदा में समाधान योजना के क्रियान्वयन के लिए एक शिविर का आयोजन किया गया था।

वितरण केंद्र बुधनी के असिस्टेंट इंजीनियर एमडी उइके, लाइनमैन गोपाल परते और चार अन्य कर्मचारी बकायादार उपभोक्ताओं को योजना का लाभ समझाने पहुंचे थे। जब विभाग का दल उपभोक्ता दुर्गा प्रसाद गोर के परिसर पर पहुंचा और उन्हें बताया कि उनका पिछले 5 वर्षों से 27 हजार 269 रुपये का बिल बकाया है, जिसे वे योजना के तहत जमा कर लाभ उठा सकते हैं तो वहां मौजूद उपभोक्ता प्रतिनिधि पवन गोर पिता दुर्गा प्रसाद गोर भड़क गया।

जान से मारने की धमकी: आरोप है कि पवन गोर ने बिजली कर्मचारियों को देखते ही आपा खो दिया और मां-बहन की अश्लील गालियां देना शुरू कर दिया।

इनका कहना: ग्राम बीवदा में समाधान योजना के अंतर्गत शिविर लगाकर उपभोक्ताओं को योजना की जानकारी दी जा रही थी, साथ ही उन्हें योजना के अंतर्गत बिजली बिल की बकाया राशि जमा करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा था। इसी दौरान ग्राम के निवासी पवन गोर पिता दुर्गा प्रसाद गोर द्वारा अमले के साथ में गाली-गलौज की गई एवं जान से मारने की धमकी भी दी गई। इस संबंध में रेहटी थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

नेशनल लोक अदालत 14 मार्च को

लोक अदालत में बिजली चोरी के 10 लाख रूपए तक के लंबित प्रकरणों के होंगे समझौते

सीहोर ■ निसं

आगामी 14 मार्च को आयोजित नेशनल लोक अदालत में बिजली चोरी एवं अन्य अनियमितताओं के प्रकरण को समझौते के माध्यम से निराकृत किया जाएगा। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने विद्युत उपभोक्ताओं एवं उपयोगकर्ताओं से अपील की है कि विद्युत अधिनियम 2003 धारा 135 के अंतर्गत विद्युत चोरी के लंबित प्रकरणों एवं विशेष न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों के निराकरण के लिए अप्रिय कानूनी कार्यवाही से बचने हेतु अदालत में समझौता करने के लिए संबंधित बिजली कार्यालय से संपर्क करें।

विद्युत वितरण कंपनियों द्वारा धारा 135 के अंतर्गत विद्युत चोरी के बनाए गए लंबित प्रकरण एवं अदालत में लंबित प्रकरणों का निराकरण के लिये निम्नदाब श्रेणी के समस्त घरेलू, समस्त कृषि, 5 किलोवॉट तक के गैर घरेलू एवं 10 अश्व शक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को प्रकरणों में ही छूट दी जाएगी।

प्रि-लिटिगेशन स्तर पर: कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के बाद प्रत्येक छ:माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

लिटिगेशन स्तर पर: कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के बाद प्रत्येक छ:माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत छूट दी जाएगी। कंपनी ने कहा है कि नेशनल लोक अदालत में छूट कुछ नियम एवं शर्तों के तहत दी जाएगी जो आकलित सिविल दायित्व राशि रू. 10 लाख तक के प्रकरणों के लिए सीमित रहेगी। यह छूट मात्र नेशनल ''लोक अदालत'' 14 मार्च 2026 को समझौते करने के लिये ही लागू रहेगी।

केंद्र से किसानों को मिलेंगे सस्ते जैविक उत्पाद

जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए कृषि विभाग द्वारा किया गया बीआरसी केंद्र का शुभारंभ

सीहोर ■ निसं

कृषि विभाग द्वारा इछावर तहसील के ग्राम गाजीखेड़ा में जैविक संसाधन केंद्र (बीआरसी) का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कृषि उप संचालक श्री अशोक कुमार उपाध्याय ने किसानों को जैविक खेती के महत्व के बारे में जानकारी दी और बताया कि इस बीआरसी केंद्र के माध्यम से किसानों को जैविक उत्पाद बाजार की तुलना में कम लागत पर उपलब्ध हो सकेंगे, जिससे खेती की लागत कम करने में सहायता मिलेगी।

बीआरसी केंद्र के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि इस जैविक संसाधन केंद्र की उत्पादन क्षमता 45 दिनों में लगभग 300 लीटर जैविक घोल तैयार करने की है। इस केंद्र में कुल 10 प्रकार के जैविक उत्पाद तैयार किए जाते हैं। इसके केंद्र में किसानों के लिए विभिन्न प्रकार के जैविक उत्पाद तैयार किए जाते हैं, जिनमें श्वरू-2 घोल, देसी कल्प अर्क, दशपर्णी अर्क, फल अर्क, सप्तधन्य अर्क, ह्यूमिक एसिड अर्क, अमिल अर्क, जैविक माइक्रोऑर्गेनिज्म स्लरी, फुल्विक एसिड घोल एवं वायमिल अर्क शामिल हैं। ये सभी उत्पाद प्राकृतिक एवं जैविक विधियों से तैयार किए जाते हैं। इनका उपयोग करने से मृदा में लाभकारी सूक्ष्मजीवों की संख्या बढ़ती है, मृदा की संरचना एवं उर्वरता में सुधार होता है तथा पौधों को आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्व प्राप्त होते हैं। साथ ही ये जैविक घोल पौधों की वृद्धि को प्रोत्साहित करते हैं, जड़ों के विकास को मजबूत बनाते हैं और फसलों को कीट एवं रोगों से सुरक्षित रखने में भी सहायक होते हैं।

बड़ी बहन के दोस्त ने छोटी से की छेड़छाड़

इंदौर में छात्रा पर डाला शादी के लिए दबाव, मारपीट कर रास्ते में छोड़ा

इंदौर ■ निसं

इंदौर के हीरानगर थाना क्षेत्र में रहने वाली एक छात्रा ने मंगलवार को अपनी बड़ी बहन के दोस्त के खिलाफ छेड़छाड़ और मारपीट का मामला दर्ज कराया है। आरोपी नशे की हालत में छात्राओं के कमरे पर पहुंचा था और उससे अश्लील हरकत करने के बाद अपनी दोस्त (बड़ी बहन) को जबरन अपने साथ ले गया। जिससे बाद में मारपीट की। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

पुलिस के अनुसार 20 वर्षीय छात्रा की शिकायत पर मोहित चौहान निवासी स्वास्थ्य नगर के खिलाफ हीरानगर थाने में छेड़छाड़ सहित अन्य गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। पीड़िता ने बताया कि वह एक निजी कॉलेज में बीएससी की पढ़ाई कर रही है। मोहित उसकी बड़ी बहन का दोस्त है।

गलत तरीके से छूने लगा आरोपी: पीड़िता के मुताबिक सोमवार रात मोहित उनके कमरे पर पहुंचा, उस समय उसका छोटा भाई भी वहां मौजूद था। वह बिस्तर पर बैठी थी, तभी मोहित उसके पास आकर बैठ गया और गलत तरीके से उसे छूने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने अपशब्द कहे।

इस दौरान छात्रा की बड़ी बहन वहां पहुंची तो आरोपी ने उसके साथ झूमाझटकी की और जबरन उसे अपने साथ बाइक पर बैठाकर ले गया। छात्रा ने अपने परिचित युवकों को बुलाया। वे आरोपी के स्वास्थ्य नगर स्थित कमरे पर पहुंचे, लेकिन मोहित वहां से फरार हो गया था।

राजस्व बकाया खाली प्लाट पर लगाए निगम संपत्ति बोर्ड

'पेंडिंग प्रकरणों की जांच में लापरवाही मिलने पर अधिकारियों पर कार्रवाई करें- महापौर

इंदौर ■ निसं

बुधवार को सिटी बस ऑफिस में नेशनल लोक अदालत और वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत राजस्व वसूली की प्रोग्रेस को लेकर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने समीक्षा की। महापौर ने राजस्व प्रभारी निरंजन सिंह चौहान, अपर आयुक्त श्रृंगार श्रीवास्तव, उपायुक्त केशव सगर, प्रदीप जैन सभी सहायक राजस्व अधिकारी, बिल कलेक्टर और संबंधित अधिकारियों से इस विषय पर बातचीत कर जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

महापौर ने सभी राजस्व अधिकारियों से कहा कि आगामी 14 मार्च को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत और वित्तीय वर्ष के आखिरी दिन 31 मार्च से पहले नगर निगम द्वारा निर्धारित राजस्व लक्ष्य की पूर्ति के लिए विशेष अभियान चलाए। ये इस वित्तीय वर्ष की आखिरी लोक अदालत है, इसलिए सभी अधिकारी व कर्मचारी पूरी सक्रियता के साथ काम करते हुए ज्यादा से ज्यादा बकाया राजस्व की वसूली सुनिश्चित करें।

लक्ष्य निर्धारित कर प्रभावी कार्रवाई करें: महापौर ने कहा कि प्रदेश शासन के आत्मनिर्भर नगर निगम के विचार के अनुरूप निगम द्वारा बेहतर काम किया जा रहा है और लोक अदालत का आयोजन लोगों के हित में किया जाता है। लोक अदालत में करदाताओं को सरचार्ज में छूट का फायदा मिल रहा है, जिससे लोगों को राहत मिलती है। उन्होंने सहायक राजस्व अधिकारियों और बिल कलेक्टरों से कहा है कि वे विगत लोक अदालत की तुलना में इस बार ज्यादा राजस्व वसूली सुनिश्चित करने के लिए लक्ष्य निर्धारित कर प्रभावी कार्रवाई करें।

पश्चिम मध्य रेल से प्रारम्भ/टर्मिनेट होने वाली एक्सप्रेस ट्रेनों में स्थाई तौर पर 06 अतिरिक्त कोचों की वृद्धि

जबलपुर ■ निसं

रेलवे द्वारा यात्री सुविधा एवं मांग को देखते हुए स्थाई/अस्थाई तौर पर अतिरिक्त कोच लगाए जाते है। इसी कड़ी में यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे से प्रारम्भ/टर्मिनेट होने वाली तीन जोड़ी एक्सप्रेस ट्रेनों जबलपुर-रायपुर-जबलपुर, जबलपुर-चान्दा फोर्ट-जबलपुर एवं जबलपुर-रीवा-जबलपुर में 06 अतिरिक्त कोच स्थाई तौर पर बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। इन गाड़ियों में स्थाई कोच संयोजन निम्न तिथि से प्रभावी रहेगा।

प्रारंभिक तिथियों से जुड़ेंगे स्थाई तौर पर अतिरिक्त कोच :-

- गाड़ी संख्या 11702 जबलपुर-रायपुर एक्सप्रेस में एक थर्ड एसी का कोच दिनाँक 14.05.2026 से प्रभावी रहेगा।
- गाड़ी संख्या 11701 रायपुर-जबलपुर एक्सप्रेस में एक थर्ड एसी का कोच दिनाँक 14.05.2026 से प्रभावी रहेगा।

कोच संरचना- अब उक्त दोनों ट्रेनों में निर्धारित तिथि से 2 थर्ड एसी, 1 एसी चेयरकार, 4 द्वितीय चेयरकार, 7 जनरल कोच एवं 1 जनरेटरकार, 1 एसएलआरडी सहित कुल 16 कोच होंगें।

- गाड़ी संख्या 22174 जबलपुर-चान्दा फोर्ट एक्सप्रेस में चार जनरल कोच दिनाँक 15.05.2026 से प्रभावी रहेगा।
- गाड़ी संख्या 22173 चान्दा फोर्ट-जबलपुर एक्सप्रेस में चार जनरल कोच दिनाँक 15.05.2026 से प्रभावी रहेगा।

कोच संरचना- अब उक्त दोनों ट्रेनों में निर्धारित तिथि से 1 एसी चेयरकार, 2 द्वितीय चेयरकार, 10 जनरल कोच एवं 2 एसएलआरडी सहित कुल 15 कोच होंगें।

- गाड़ी संख्या 11705 जबलपुर-रीवा एक्सप्रेस में एक जनरल कोच दिनाँक 14.05.2026 से प्रभावी रहेगा।
- गाड़ी संख्या 11706 रीवा-जबलपुर एक्सप्रेस में एक जनरल कोच दिनाँक 14.05.2026 से प्रभावी रहेगा।

कोच संरचना- अब उक्त दोनों ट्रेनों में निर्धारित तिथि से 1 एसी चेयरकार, 5 द्वितीय चेयरकार, 15 जनरल कोच एवं 2 एसएलआरडी सहित कुल 23 कोच होंगें। स्थाई कोच संयोजन से यात्रियों को बेहतर सुविधा एवं संतुलित यात्री भीड़ प्रबंधन में सहायता मिलेगी। यात्रियों से अनुरोध है कि इस स्थाई कोच सुविधा का लाभ उठाएं और साथ ही ट्रेन के कोच संयोजन की जानकारी रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट, एनटीईएस, रेल मदद 139 अथवा अधिकृत पूछताछ केंद्र से भी प्राप्त कर सकते हैं।

महाकाल मंदिर क्षेत्र के रेस्टोरेंट संचालक कोयले से बनाएंगे खाना

उज्जैन। अंतरराष्ट्रीय हालात का असर अब महाकालेश्वर की नगरी में भी दिखाई देने लगा है। इजरायल-अमेरिका और ईरान के बीच तनाव के चलते कमर्शियल गैस सिलेंडरों की सप्लाई प्रभावित हुई है। इसका सबसे ज्यादा असर महाकाल मंदिर क्षेत्र में संचालित 350 से अधिक रेस्टोरेंट और भोजनालयों पर पड़ रहा है। इनके पास दो दिन की गैस बची है। ऐसे में संचालकों ने कोयला व लकड़ी पर खाना बनाने का निर्णय लिया है। बताया जा रहा है कि दो दिनों में कमर्शियल सिलेंडरों की सप्लाई लगभग 50 प्रतिशत तक कम हो गई है।

भोपाल। आईएचएमके अपने स्थापना वर्ष के 50 वर्ष पूर्ण होने पर गोल्डन जुबली वर्ष के अवसर पर 13 मार्च कोसागरा 3.0 जाम ए अवध फूड फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है आयोजित पत्रकार वार्ता में आईएचएम के प्रिंसिपल रोहित सरीन ने जानकारी दी।

दिल्ली-मुंबई नहीं भोपाल में मिलेगा थायराइड कैंसर का इलाज

हाइपरथायरॉइडिज्म में नहीं खानी पड़ेगी सालों दवा, एम्स के न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग में रेडियो आयोडीन ट्रीटमेंट शुरू

भोपाल ■ निसं

थायराइड और इससे जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं और कई मरीजों को लंबे समय तक दवाओं पर निर्भर रहना पड़ता है। खासकर हाइपरथायरॉइडिज्म और थायराइड कैंसर के मामलों में मरीजों को पहले बड़े शहरों या दूसरे राज्यों के अस्पतालों का रुख करना पड़ता था। अब राजधानी भोपाल में ही इन दोनों बीमारियों के लिए आधुनिक और प्रभावी इलाज उपलब्ध हो गया है। एम्स भोपाल के न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग में रेडियो आयोडीन ट्रीटमेंट की सुविधा शुरू होने से

मरीजों को बड़ी राहत मिली है। इस तकनीक से हाइपरथायरॉइडिज्म के मरीजों में लंबे समय तक दवा लेने की जरूरत कम हो सकती है, वहीं डिफरेंशिएटेड थायराइड कैंसर के लगभग 90 प्रतिशत मामलों का जड़ से इलाज संभव हो जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि समय पर जांच और सही उपचार से थायराइड से जुड़ी इन गंभीर समस्याओं को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

एम्स भोपाल के न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग में थायराइड से जुड़ी दो प्रमुख बीमारियों हाइपरथायरॉइडिज्म और डिफरेंशिएटेड थायराइड कैंसर के इलाज के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध है। इन दोनों बीमारियों में आधुनिक तकनीक और रेडियो आयोडीन ट्रीटमेंट की मदद से प्रभावी उपचार किया जा रहा है। डॉक्टरों के अनुसार सही समय पर जांच और इलाज मिलने से मरीज सामान्य जीवन जी सकते हैं।

हाइपरथायरॉइडिज्म में रेडियो आयोडीन उपचार प्रभावी: हाइपरथायरॉइडिज्म ऐसी स्थिति है जिसमें थायराइड ग्रंथि सामान्य से अधिक सक्रिय हो जाती है। इसके कारण शरीर में थायराइड हार्मोन का स्तर बढ़ जाता है। इस बीमारी में मरीजों को अक्सर लंबे समय तक एंटी-थायरॉइड दवाएं लेनी पड़ती हैं, जिससे कई बार शारीरिक और मानसिक थकान महसूस होने लगती है। ऐसे मामलों में एम्स भोपाल के न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग में रेडियो आयोडीन ट्रीटमेंट एक प्रभावी विकल्प के रूप में उपलब्ध है। यह उपचार थायराइड ग्रंथि की अतिरिक्त सक्रियता को नियंत्रित करता है और कई मामलों में दवाओं पर निर्भरता कम कर देता है।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग ने फांसी लगाई, बर्थडे पार्टी से आने के बाद की आत्महत्या

भोपाल। शहर के देहात इलाके में परवलिया सड़क थाना क्षेत्र में नाबालिक किशोरी द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किये जाने की घटना सामने आई है। मिली जानकारी के अनुसार नाबालिग परवलिया सड़क क्षेत्र में अपनी मां के साथ किराए के मकान में रहती थी। उसके पिता की पूर्व में मौत हो चुकी है, उसकी मां मेहनत-मजदूरी का काम करती है। सूत्रों के अनुसार खुदकुशी से करीब एक घंटा पहले किशोरी एक लड़के के साथ किसी के बर्थडे पार्टी में जाने के लिये गांधीनगर क्षेत्र में गई थी। और वहॉ से लौटने के बाद ही उसने यह आत्मघाती कदम उठाते हुए घर में फांसी के फंदे पर लटककर जान दे दी। सूचना मिलने पर पहुचीं पुलिस एफएसएल टीम ने घटनास्थल से अहम सुराग जुटाते हुए शव को पीएम के लिये भेज दिया। पुलिस मृतका की पोस्टमार्टम और एफएसएल रिर्टोट का इंतेजार कर रही है, जिसके आने पर ही कई बिंदुओ का खुलासा हो सकेगा।

भोपाल से जा रहे कारपेंटर को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, मौत

भोपाल। खजूरी सड़क थाना इलाके में स्थित भैंसाखेड़ी चिरायु अस्पताल के सामने अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। गंभीर हालत में उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। एक्सीडेंट के बाद आरोपी चालक अपने वाहन सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक मूलरूप से ग्राम साकरिया गुर्जर थाना सुठालिया जिला राजगढ़ निवासी मांगीलाल विश्वकर्मा (34) पेशे से कारपेंटर था। बीती 6 छह मार्च को वह निजी काम से भोपाल आया था, और दोपहर करीब तीन बजे वापस गांव लौट रहा था। इस बीच चिरायु अस्पताल के सामने किसी अज्ञात वाहन ने उसकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया।

हिंदू नववर्ष पर भोपाल में अभा कवि सम्मेलन

18 मार्च को अटल पथ पर देश के नामचीन कवि करेंगे काव्यपाठ; कुमार विश्वास भी आएंगे

भोपाल ■ निसं

भोपाल में हिंदू नववर्ष के स्वागत को लेकर 18 मार्च को 'कर्मश्री' संस्था अखिल भारतीय कवि सम्मेलन करेगी। इसमें देशभर के नामचीन कवि काव्य पाठ करेंगे। डॉ. कुमार विश्वास भी आएंगे। हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा की संस्था कर्मश्री यह आयोजन कर रही है। इस बार 25वां आयोजन है। उन्होंने बताया, हिंदू नववर्ष की पूर्व संध्या पर 18 मार्च की रात 8 बजे से अटल पथ में यह आयोजन होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव दीप प्रज्जलवन कर कवि सम्मेलन का शुभारंभ करेंगे।

इस मौके पर संत, धर्मगुरु सहित मंत्री और अन्य अतिथि भी उपस्थित रहेंगे। कर्मश्री संस्था के अध्यक्ष शर्मा ने बताया, पिछले ढाई दशकों से यह आयोजन भोपाल की सांस्कृतिक पहचान बन चुका है। हिंदू नववर्ष के स्वागत के लिए हजारों नागरिक एकसाथ एकत्र होकर काव्य, संस्कृति और परंपरा का उत्सव मनाते हैं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल कवि सम्मेलन नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति के गौरव का उत्सव है।

ये कवि काव्यपाठ करेंगे

इस वर्ष के अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में कवि एवं श्रीराम कथा वाचक डॉ. कुमार विश्वास भी शामिल होंगे। आयोजक संस्था के अध्यक्ष शर्मा ने बताया कि अपनी प्रभावशाली वाणी और लोकप्रिय कविताओं के लिए प्रसिद्ध डॉ. कुमार विश्वास के साथ मंच पर देश के अनेक प्रसिद्ध कवि अपनी रचनाओं का पाठ करेंगे। जिनमें दिनेश बावरा, सुदीप भोला, कुशल कुशलेंद्र, अजय अंजम, सान्या राय सहित जैसे कवि शामिल होंगे। हास्य, व्यंग्य, गीत, श्रृंगार और ओज रस की कविताओं से यह काव्य संध्या श्रोताओं के लिए यादगार बनने जा रही है।

50 हजार से अधिक श्रोता होंगे शामिल: आयोजकों के अनुसार इस कवि सम्मेलन में 50 हजार से अधिक श्रोताओं की उपस्थिति रहने का अनुमान है। कार्यक्रम में महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों के लिए विशेष बैठक व्यवस्था की जा रही है। कार्यक्रम स्थल पर सुव्यवस्थित बैठने की व्यवस्था, सुरक्षा और यातायात प्रबंधन के लिए विशेष तैयारी की जा रही है। ताकि सभी नागरिक सहजता से कार्यक्रम का आनंद ले सकें। बैठक व्यवस्था 'पहले आओ पहले पाओ' के आधार पर की गई है। इसीलिए समय से काफी पहले आकर आगे की ओर भी अपना स्थान सुरक्षित किया जा सकता है। बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए विशेष रूप से कुर्सियों की व्यवस्था भी रखी गई है।

19 मार्च को आयोजन स्थल पर होगी आतिशबाजी

कवि सम्मेलन के आयोजन के अगले दिन 19 मार्च को आयोजन स्थल अटल पथ, तात्या टोपे स्टेडियम मार्ग, टीटी नगर पर ही संध्याकाल में नववर्ष पर भव्य आतिशबाजी का कार्यक्रम भी रखा गया है। इसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे।

भाभा विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 का आयोजन

भोपाल ■ निसं

भाभा विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 का आयोजन आज दिनांक 10 मार्च को विश्वविद्यालय के आर एन कपूर मेमोरियल सभागार में बड़े ही धूमधाम एवं उत्साह के साथ किया गया। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम 'विज्ञान में महिलाएं : विकसित भारत की प्रेरक शक्ति' रही।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. डॉक्टर अल्पना द्विवेदी ने 'विमेंस इन साइंस कैटलिसिंग विकसित भारत' विषय पर विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर उन्होंने विज्ञान और नवाचार में महिलाओं की भूमिका पर जोर दिया और विकसित भारत के निर्माण में उनके योगदान को रेखांकित किया एवं प्रेरणादायी उद्बोधन दिया गया। उन्होंने अपने व्याख्यान में छात्र-छात्राओं एवं फैकल्टी को संबोधित करते हुए बताया कि विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका विकसित भारत के निर्माण में किस प्रकार सहायक सिद्ध हो रही है। उन्होंने छात्राओं को विज्ञान एवं अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

यह संपूर्ण कार्यक्रम मध्य प्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के सौजन्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रो. प्रति कुलगुरु डॉ. एन के अग्रवाल, डॉ. भारती सतानकर, ग्रुप डायरेक्टर डॉ. मनोज शुक्ला, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी श्री विजय कुमार पुंज सहित विश्वविद्यालय के सभी विभागों के प्राचार्यगण, फैकल्टी सदस्य एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. श्याम पाटकर ने अंत में सभी अतिथियों एवं सहभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। सह-संयोजक प्रो .मुकेश पांडे का भी कार्यक्रम के सफल आयोजन में विशेष योगदान रहा।

गत वर्ष की तुलना में 13 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि

पश्चिम मध्य रेल ने फरवरी माह में टिकट चेकिंग से 08 करोड़ 73 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त किया

भोपाल ■ निसं

पश्चिम मध्य रेल में प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक के निर्देशानुसार तीनों मंडलों में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य अधिकारियों के नेतृत्व में यात्री गाड़ियों एवं स्टेशनों पर समय-समय पर टिकट जांच अभियान चलाए गए। इन अभियानों के परिणामस्वरूप पश्चिम मध्य रेल ने चालू वित्तीय वर्ष के फरवरी माह में कुल 01 लाख 32 हजार मामले पकड़े। इन मामलों में बिना टिकट यात्रा, अनबुक्ड लगेज तथा अनियमित टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्री शामिल थे। इनसे अतिरिक्त किराया एवं जुर्माना सहित कुल 08 करोड़ 73 लाख रुपये का राजस्व अर्जित किया गया।

यह राशि पिछले वर्ष फरवरी माह में वसूले गए 07 करोड़ 73 लाख रुपये के जुर्माने की तुलना में 12.83 प्रतिशत अधिक है।

फरवरी माह में मुख्यालय एवं मंडलों का प्रदर्शन इस प्रकार रहा: मुख्यालय (सीसीएम स्क्वाड): मुख्यालय के टिकट निरीक्षकों द्वारा चलाए गए टिकट जांच अभियान में बिना टिकट/अनबुक्ड लगेज/अनियमित टिकट लेकर यात्रा करने वालों के 02 हजार प्रकरण पकड़े गए, जिनसे 15 लाख रुपये का जुर्माना वसूल किया गया।

जबलपुर मंडल: टिकट निरीक्षकों द्वारा चलाए गए जांच अभियान में 51 हजार प्रकरण पकड़े गए, जिनसे 03 करोड़ 51 लाख रुपये का जुर्माना वसूल किया गया।

भोपाल मंडल: टिकट जांच के दौरान 50 हजार प्रकरण दर्ज किए गए, जिनसे 03 करोड़ 10 लाख रुपये का जुर्माना यात्रियों से वसूल किया गया।

कोटा मंडल: टिकट निरीक्षकों ने अभियान के दौरान 29 हजार प्रकरण पकड़े, जिनसे 01 करोड़ 97 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया।

रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि बिना टिकट यात्रा न करें। यात्रा से पूर्व उचित टिकट अवश्य लें, ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। यात्रियों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वाणिज्य विभाग एवं आरपीएफ के समन्वय से पश्चिम मध्य रेल द्वारा ट्रेनों में टिकट चेकिंग अभियान आगे भी निरंतर चलाए जाते रहेंगे।

बच्चों को लेकर मायके गई थी पत्नि पति ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

भोपाल। शहर के कमला नगर थाना इलाके में स्थित मांडवा बस्ती में रहने वाले एक युवक ने अपने घर में फांसी लगा ली। शुरुआती जॉच में फिलहाल इस बात का खुलासा नहीं हो सका है की युवक ने यह आत्मघाती कदम क्यों उठाया। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की जांच शुरू कर दी है। थाना पुलिस के अनुसार आईआईएफएम के पास मांडवा बस्ती में रहने वाला राकेश खातेकर पिता देवीदास खातेकर (24) निजी काम करता था। सोमवार को उसकी पत्नी दोनों बच्चों को लेकर मायके चली गई थी। मंगलवार देर रात उसने पत्नी को फोन कर कहा कि 'मैं जा रहा हूं, अब सब खत्म है।' पति का फोन आने के बाद घबराई पत्नी ने परिवार के अन्य लोगो को इसकी जानकारी दी। जब परिजन उसके घर पहुंचे तो वह फांसी लगा चुका था।सूचना मिलने पर पहुचीं पुलिस का कहना है कि फिलहाल आत्महत्या के सही कारणो का खुलासा नहीं हो सका है। वहीं पत्नी को भी उसने जान देने का कोई कारण नहीं बताया। पुलिस का कहना है, मामले में आर्थिक परेशानी, घरेलू कलह और पति-पत्नि की बीच अनबन के बिंदुओ पर आगे की जांच की जा रही है।

एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में एमपीसीएसटी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

भोपाल ■ निसं

Madhya Pradesh Council of Science and Technology (MPCST) द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन LNCT University, भोपाल के स्कूल ऑफ फार्मेसी एवं स्कूल ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज़ द्वारा को किया गया। संगोष्ठी का शुभारंभ डॉ एन के जैन पूर्व प्रोफेसर, Dr. H. S. Gour University, सागर के मुख्य आतिथ्य में हुआ। डॉ. जैन ने मुख्य वक्ता के रूप में ड्रग डिलीवरी रिसर्च विषय पर एक उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में अन्य वक्ताओं के रूप में Dr. Keerti Jain, National Institute of Pharmaceutical Education and Research Raebareli से तथा Mahendra Joshi, Cerebral Lab Private Limited ने भी अपने उत्कृष्ट व्याख्यानों के माध्यम से प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

इस अवसर पर फार्मेसी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉ. एन. के. जैन को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में डॉ एन के थापक कुलपति, एलएनसीटी यूनिवर्सिटी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ ए के सिंघई के साथ ही इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में लगभग 300 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

मध्य प्रदेश में सरकारी शिक्षक बनना आसान

अब दो की जगह केवल एक एग्जाम से भर्ती

भोपाल ■ निसं

मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों में टीचर बनने की तैयारी कर रहे लोगों के लिए खुशखबरी है। राज्य स्कूल शिक्षा विभाग ने अलग-अलग दो परीक्षाओं की जगह अब केवल शिक्षक पात्रता परीक्षा के आधार पर भर्ती करने का प्रस्ताव तैयार किया है। इस संबंध में मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल को प्रस्ताव भी भेजा जा रहा है।

स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि मध्यप्रदेश में सरकारी स्कूलों में शिक्षक बनने की प्रक्रिया जल्द ही आसान हो सकती है। राज्य स्कूल शिक्षा विभाग ने भर्ती प्रणाली में बदलाव का निर्णय लिया है। प्रस्ताव के अनुसार अब अलग-अलग पात्रता और चयन परीक्षा कराने के बजाय केवल शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) के आधार पर ही भर्ती की जाएगी।

इसलिए किया गया व्यवस्था में बदलाव: अब तक प्रदेश में प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षकों की भर्ती के लिए दो चरणों की प्रक्रिया अपनाई जाती थी। पहले अभ्यर्थियों को पात्रता परीक्षा पास करनी होती थी, उसके बाद चयन परीक्षा देनी पड़ती थी। वहीं चयन परीक्षा में सफल होने पर ही शिक्षक के रूप में नियुक्ति मिलती थी। इस व्यवस्था के कारण उम्मीदवारों को दो बार आवेदन करना पड़ता था और अलग-अलग परीक्षाओं की तैयारी करनी पड़ती थी।

सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों को भी मिलेगा लाभ: नई व्यवस्था के अनुसार केवल पात्रता परीक्षा आयोजित की जाएगी और उसी के स्कोर के आधार पर मेरिट सूची तैयार कर भर्ती की जाएगी। पात्रता परीक्षा के अंक आजीवन वैध रहेंगे, हालांकि अभ्यर्थियों को अपने अंक सुधारने के लिए दोबारा परीक्षा देने का अवसर भी मिलेगा। अधिकारियों का कहना है कि इस बदलाव से अभ्यर्थियों पर आर्थिक बोझ भी कम होगा। अभी सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों को पात्रता परीक्षा के लिए 500 रुपये और चयन परीक्षा के लिए अलग से 500 रुपये शुल्क देना पड़ता था।

प्रदेश के 1,895 सरकारी स्कूलों में एक भी शिक्षक नहीं: प्रदेश में शिक्षकों की भारी कमी भी इस बदलाव की बड़ी वजह मानी जा रही है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट के अनुसार मध्यप्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के करीब एक लाख पद खाली हैं। 1,895 स्कूल ऐसे हैं, जहां कोई शिक्षक नहीं है, जबकि 29,116 स्कूलों में केवल एक या दो शिक्षक ही कार्यरत हैं।

निगरानीशुदा बदमाश महिला ने की थी लाखों की चोरी

पुलिस ने 12 घंटो में किया गिरफ्तार, लगभग 100 सीसीटीवी खंगालने पर मिला सुराग

भोपाल ■ निसं

पुराने शहर की टीला पुलिस ने चोरी के मामले का खुलासा करते हुए आरोपी शातिर नकबजन महिला को 12 घण्टे में ही गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी गई 2 लाख 30 हजार की नगदी बरामद कर ली है। थाना पुलिस के अनुसार बीती 11 मार्च को फरियादी सुजाकत अली पिता लियाकत अली निवासी बाग मुफ्ती साहब ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया था की 10 मार्च को वह अपने कारोबार से आई 2 लाख 30 हजार की रकम को कमर में बाधने बाले बैग में रखने के बाद उसे कमरे में रखी गोदरेज की अलमारी में रख कर ताला लगा दिया था। इसके बाद वह कमरे का ताला लगाकर परिवार सहित दूसरे कमरे में आराम कर रहे थे। दिन मे करीब 3-4 बजे के बीच कोई अज्ञात व्यक्ति कमरे का ताला तोड़ कर गोदरेज का लॉकर तोड़ कर उसमें रखा नगदी से भरा बैग चोरी कर ले गया।

मामला कायम कर पुलिस ने आरोपी की तलाश में घटना स्थल के आस पास लगे करीब 80-90 कैमरों के फुटेज चेक किये। फुटेज में एक संदिग्ध महिला घटना स्थल के पास नजर आई। पुलिस ने उसके हुलिये आधार पर उसकी पहचान रजिया पत्नि अमन खाँन(38) निवासी जनता कालोनी ऐशबाग, हाल-पता जनता क्वाटर ऐशबाग के रुप में करते हुए उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपी महिला ने फरियादी के घर से लाखो की नगदी चोरी करना स्वीकार कर लिया। उसकी निशानदेही पर टीम ने चोरी की गई 2 लाख 30 हजार की नगदी कर ली है।

अनमोल वचन

शरीर को रोगी और निर्बल रखने के सामान दूसरा कोई पाप नहीं है।
लोकमान्य तिलक

स्वयं कर्म, जब तक मुझे यह भरोसा होता है कि यह सही कर्म है, मुझे संतुष्टि देता है।
जवाहर लाल नेहरु

सम्पादकीय

जंग के चलते तेल-गैस आपूर्ति संकट पर घिरती सरकार

ईरान पर इजरायल और अमेरिका के संयुक्त हमले के बाद पैदा हुए जंग के हालात ने पूरी दुनियां को अपने आतिशि आगोश में लेना शुरु कर दिया है। सैन्य संघर्ष का असर अब वैश्विक ऊर्जा बाजार पर साफ दिखाई देने लगा है, जिससे भारत भी अछूता नहीं है। ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच बढ़ते टकराव ने तेल और गैस की आपूर्ति को लेकर दुनिया भर में चिंता पैदा कर दी है। इस संकट का सबसे बड़ा कारण उस समुद्री मार्ग पर बढ़ता जोखिम है, जिसे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की जीवनरेखा माना जाता है। स्ट्रैट ऑफ हॉर्मोज वही मार्ग है जिससे एशिया के कई देशों, जिनमें भारत, चीन और जापान प्रमुख हैं, को बड़ी मात्रा में कच्चा तेल और गैस पहुंचती है। इस मार्ग के बंद होने की खबरों ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारी हलचल पैदा कर दी है। नौ मार्च की शाम को तेल और गैस के वैश्विक बाजारों में अचानक उतार-चढ़ाव देखने को मिला, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि युद्ध का असर अब केवल युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आर्थिक और ऊर्जा सुरक्षा से भी गहराई से जुड़ गया है। भारत में इस स्थिति को लेकर चिंता के स्वर उठने लगे हैं। हालांकि केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने देशवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा है, कि घरेलू उपभोक्ताओं के लिए गैस की आपूर्ति में किसी तरह की कमी नहीं है और घबराने की आवश्यकता नहीं है। उनका कहना है कि भारत ने ऊर्जा आयात के कई वैकल्पिक स्रोत और रास्ते तैयार कर रखे हैं, जिससे आपूर्ति को स्थिर बनाए रखने में मदद मिल रही है। सरकार का दावा है कि घरेलू उपभोक्ताओं को सीएनजी और पीएनजी की 100 प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है, जबकि उद्योगों को भी 70 से 80 प्रतिशत तक गैस उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ गैस संकट के मद्देनजर सरकार ने एस्मा की भी घोषणा कर दी है। बावजूद इसके जमीनी स्तर पर तेल व गैस संकट साफ नजर आने लगा है। विभिन्न राज्यों के शहरों से आने वाली खबरें और सरकार के दावे पूरी तरह मेल नहीं खाती हैं। देश के कई शहरों में रेस्टोरेंट उद्योग ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति में बाधा आने की शिकायतें हैं। कुछ स्थानों पर सिलेंडर की उपलब्धता कम होने और बुकिंग नियमों में बदलाव की खबरें भी आम हैं। यही कारण है कि विपक्ष इस मुद्दे को लेकर सरकार पर लगातार दबाव बना रहा है। मामला इसलिए भी राजनीतिक रूप से संवेदनशील हो गया है क्योंकि संसद का बजट सत्र जारी है। ऐसे में विपक्ष इस संकट को राष्ट्रीय बहस का मुद्दा बनाना चाहता है और सरकार से स्पष्ट जवाब मांग रहा है। विपक्ष का कहना है कि ऊर्जा सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय पर सरकार को संसद में विस्तृत चर्चा करनी चाहिए और देश को यह बताना चाहिए कि संकट से निपटने के लिए क्या ठोस रणनीति तैयार की गई है। मौजूदा स्थिति की गंभीरता का अंदाजा भारत के पड़ोसी देशों की हालत से भी लगाया जा सकता है। पाकिस्तान सरकार ने ईंधन की कमी के चलते स्कूल-कॉलेज तक बंद कर दिए हैं, जबकि बांग्लादेश में पेट्रोल-डीजल की बिक्री पर सीमाएं तय कर दी गई हैं। इन परिस्थितियों के बीच भारत ने बांग्लादेश को तेल आपूर्ति करने का आश्वासन दिया है। केंद्र सरकार का यह कदम एक ओर भारत की क्षेत्रीय भूमिका और क्षमता का संकेत देता है, लेकिन दूसरी ओर यह सवाल भी उठाता है कि यदि वैश्विक संकट और गहरा हुआ तो क्या भारत अपनी घरेलू मांग को पूरी तरह सुरक्षित रख पाएगा। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा करता है। इसलिए मध्य पूर्व में पैदा हुआ कोई भी संकट सीधे तौर पर भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। यदि तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतें तेजी से बढ़ती हैं या आपूर्ति बाधित होती है, तो इसका असर परिवहन, उद्योग, महंगाई और आम उपभोक्ता के बजट पर पड़ना तय है। यही वजह है कि विशेषज्ञ लगातार यह सवाल उठा रहे हैं कि भारत के पास तेल और गैस का रणनीतिक भंडार कितने दिनों के लिए पर्याप्त है। क्या सरकार के पास ऐसी ठोस योजना है जिससे लंबे समय तक आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में भी कीमतों को नियंत्रित रखा जा सके? इस संदर्भ में कई लोग पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल की भी चर्चा कर रहे हैं। उनके शासनकाल में वैश्विक आर्थिक मंदी आई थी, लेकिन आर्थिक प्रबंधन और नीतिगत संतुलन के कारण भारत पर उसका प्रभाव न के बतौर भी नजर नहीं आया था। यही कारण है कि आज भी उस दौर को आर्थिक स्थिरता के उदाहरण के रूप में याद किया जाता है। वर्तमान संकट भी कुछ वैसी ही दूरदर्शिता और संवाद की मांग करता है। ऊर्जा सुरक्षा केवल आर्थिक विषय नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आम जनता की जीवनशैली से जुड़ा मुद्दा है। ऐसे में सरकार को चाहिए कि वह विपक्ष को भी भरोसे में लेकर एक पारदर्शी रणनीति प्रस्तुत करे। मध्य पूर्व की जंग कब तक चलेगी, इसका अनुमान लगाना कठिन है। लेकिन यह स्पष्ट है कि यदि संकट लंबा खिंचता है तो उसके प्रभाव से भारत भी अछूता नहीं रह पाएगा। इसलिए समय की मांग यही है कि राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से ऊपर उठकर ऊर्जा सुरक्षा पर राष्ट्रीय सहमति बनाई जाए। यदि वास्तविक चुनौतियों को नजरअंदाज कर केवल आश्वासन दिए जाते रहे, तो हालात बिगड़ने में देर नहीं लगेगी। संकट के समय नेतृत्व की सबसे बड़ी कसौटी यही होती है कि वह सच्चाई स्वीकार करे, दूरदर्शी नीति बनाए और देश को भरोसे के साथ आगे बढ़ाए।

लापता होते बचपन की भयावह तस्वीर और समाज प्रशासन की जिम्मेदारी

कांतिलाल मांडोत

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट के अनुसार 1 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2026 के बीच देश में कुल 33577 बच्चे लापता हुए। यह आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं है बल्कि हजारों परिवारों के दर्द चिंता और अनिश्चितता की कहानी है। इन बच्चों में से 7777 बच्चों का अभी तक कोई पता नहीं चल पाया है।

भारत में बच्चों के लापता होने की बढ़ती घटनाएं आज पूरे समाज के सामने एक गंभीर और चिंताजनक चुनौती के रूप में खड़ी हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट के अनुसार 1 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2026 के बीच देश में कुल 33577 बच्चे लापता हुए। यह आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं है बल्कि हजारों परिवारों के दर्द चिंता और अनिश्चितता की कहानी है। इन बच्चों में से 7777 बच्चों का अभी तक कोई पता नहीं चल पाया है। यह स्थिति बताती है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए हमारी व्यवस्था और सामाजिक जागरूकता दोनों को और मजबूत बनाने की आवश्यकता है।

इस रिपोर्ट में सबसे ज्यादा चिंताजनक स्थिति पश्चिम बंगाल की है जहां 19145 बच्चे लापता हुए। इनमें से 15465 बच्चों को ढूंढ लिया गया लेकिन 3680 बच्चे अभी भी लापता हैं। दूसरे स्थान पर मध्य प्रदेश है जहां 4256 बच्चे गायब हुए और 1059 बच्चों का अब तक कोई पता नहीं चल पाया। हरियाणा के आंकड़े भी चिंता बढ़ाने वाले हैं जहां 2209 बच्चे लापता हुए और 353 बच्चों का अभी तक कोई सुराग नहीं मिला। इन आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि बच्चों की सुरक्षा का मुद्दा केवल किसी एक राज्य का नहीं बल्कि पूरे देश की सामूहिक चिंता का विषय बन चुका है।

कुछ राज्यों में स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर दिखाई देती है। नागालैंड अरुणाचल प्रदेश मणिपुर त्रिपुरा गुजरात लक्षद्वीप और दादरा एवं नगर हवेली जैसे क्षेत्रों में बच्चों के लापता होने का कोई मामला दर्ज नहीं हुआ। यह तथ्य इस बात की ओर संकेत करता है कि जहां समाज सतर्क है और प्रशासन सक्रिय है वहां ऐसी घटनाओं को काफी हद तक रोका जा सकता है। हालांकि कई राज्यों में बरामद बच्चों की संख्या अधिक होने का कारण यह भी है कि वहां दूसरे राज्यों के बच्चे भी पाए गए।

लापता बच्चों के पीछे कई कारण हो सकते हैं। कई बच्चे पारिवारिक विवाद या गुस्से में घर छोड़ देते हैं। कुछ बच्चे गलत संगत में पड़ जाते हैं। वहीं कई मामलों में मानव तस्करी और बच्चों को अगवा करने वाले गिरोह भी सक्रिय रहते हैं। यही कारण है कि ऐसे मामलों को केवल एक सामान्य घटना समझकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कई बार बच्चों को मजदूरी अपराध या अन्य अवैध गतिविधियों में धकेल दिया जाता है जिससे उनका पूरा भविष्य अंधकार में चला जाता है।

समाचारों में सामने आए कुछ उदाहरण इस दर्दनाक सच्चाई को और गहरा कर देते हैं। हरियाणा के अंबाला की 14 वर्षीय लड़की 8 जनवरी को अपनी सहेली के घर जाने की बात कहकर घर से निकली थी लेकिन वह वापस नहीं लौटी। बस स्टैंड की सीसीटीवी फुटेज में उसे जाते हुए देखा गया लेकिन उसके बाद उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसी तरह अंबाला कैंट की एक लड़की परिवार से नाराज होकर घर से निकली और अभी तक वापस नहीं लौटी। परिवार अपनी बेटी के लौटने का इंतजार कर रहा है और पिता शहर में पर्चे बांटकर लोगों से जानकारी देने की अपील कर रहे हैं। ऐसे मामलों में परिवार की पीड़ा को शब्दों में व्यक्त करना मुश्किल होता है।

हाल ही में मध्य प्रदेश के झाबुआ में भी एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई जहां साढ़े तीन साल की एक मासूम बच्ची बाजार से अचानक लापता हो गई। सीसीटीवी फुटेज में वह एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति और एक महिला के साथ दिखाई दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है लेकिन यह घटना बताती है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए कितनी सतर्कता आवश्यक है।

आजकल सोशल मीडिया और इंटरनेट पर ऐसे कई वीडियो सामने आ रहे हैं जिनमें बच्चों को अगवा करने वाले गिरोहों की गतिविधियों के बारे में जानकारी मिलती है। हालांकि हर वीडियो सही नहीं होता लेकिन कई मामलों में यह सच भी साबित हुआ है कि बच्चों को चोरी करने वाले गिरोह सक्रिय हैं। ऐसे गिरोह बच्चों को निशाना बनाकर उन्हें अगवा कर लेते हैं और फिर उन्हें दूसरे राज्यों में ले जाकर बेचने या अवैध कामों में इस्तेमाल करने की कोशिश करते हैं। यह केवल कानून का नहीं बल्कि मानवता का भी बड़ा अपराध है। इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए पुलिस और प्रशासन को और अधिक सख्ती से काम करना होगा। लापता बच्चों के मामलों में तुरंत कार्रवाई होना जरूरी है। हर जिले में विशेष टीम बनाई जानी चाहिए जो ऐसे मामलों की जांच करे। सीसीटीवी कैमरों का नेटवर्क मजबूत किया जाए और बस स्टैंड रेलवे स्टेशन बाजार और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाए। इसके साथ ही पुलिस को बच्चों को चुराने वाले गिरोहों के खिलाफ बड़े स्तर पर अभियान चलाना चाहिए। जब तक पुलिस ऐसे गिरोहों को पकड़कर जेल में नहीं डालेगी तब तक यह सिलसिला पूरी तरह खत्म नहीं होगा। अपराधियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए ताकि समाज में एक मजबूत संदेश जाए कि बच्चों के खिलाफ अपराध करने वालों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। इसके साथ ही पुलिस को दूसरे राज्यों के साथ समन्वय बनाकर भी काम करना चाहिए क्योंकि कई मामलों में बच्चों को एक राज्य से दूसरे राज्य में ले जाया जाता है।

सिर्फ प्रशासन ही नहीं बल्कि समाज की भी बड़ी जिम्मेदारी है। माता पिता को अपने बच्चों पर ध्यान देना चाहिए और उन्हें अजनबियों से सावधान रहने की शिक्षा देनी चाहिए। स्कूलों में भी बच्चों को सुरक्षा के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। यदि किसी को कोई संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो तुरंत पुलिस को सूचना देना चाहिए। समाज की जागरूकता कई अपराधों को होने से पहले ही रोक सकती है।

बच्चे किसी भी देश का भविष्य होते हैं। उनका सुरक्षित बचपन ही एक मजबूत समाज की नींव रखता है। यदि बच्चे ही असुरक्षित महसूस करेंगे तो यह पूरे समाज के लिए खतरे की घंटी है। इसलिए जरूरी है कि सरकार प्रशासन और समाज मिलकर इस समस्या से लड़ें और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी बच्चा असुरक्षित न रहे। आज जरूरत इस बात की है कि लापता बच्चों के हर मामले को अत्यंत गंभीरता से लिया जाए और उसे केवल एक आंकड़ा बनकर न रहने दिया जाए। जब तक हर बच्चे को सुरक्षित घर और सुरक्षित भविष्य नहीं मिलेगा तब तक समाज की प्रगति अधूरी रहेगी। बच्चों की सुरक्षा केवल एक जिम्मेदारी नहीं बल्कि पूरे समाज का नैतिक कर्तव्य है।

ईरान- भारत का मित्र या शत्रु ?

सौरभ वार्ष्णेय

भारत और ईरान के संबंधों को यदि सरल शब्दों में समझा जाए, तो यह कहना अधिक उचित होगा कि ईरान न तो भारत का शत्रु है और न ही पारंपरिक अर्थों में सैन्य सहयोगी मित्र। बल्कि दोनों देशों के संबंध हितों, इतिहास और कूटनीति पर आधारित रणनीतिक साझेदारी के रूप में विकसित हुए हैं। ईरान भारत का शत्रु नहीं है, लेकिन पारंपरिक सैन्य मित्र भी नहीं है। वहीं संसद में भी विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी स्पष्ट कर दिया कि हमारी सरकार की प्रत्येक गतिविधियों पर नजर जारी है ताकि वर्तमान हालात पर नियंत्रण रहें।

अमेरिका -इजरायल-ईरान के बीच युद्ध चल रहा है। ऐसे में देश के अंदर बहस छिड़ी हुई है कि ईरान का विरोध किया जाए या समर्थन । वहीं देश में ईरान के मृत पूर्व लीडर अली ख़ामेनेई की तस्वीर लेकर एक वर्ग समुदाय अपना दुख प्रगट कर रहा है। ऐसे में भारत ने भी ईरान के दूतावास जाकर कुछ दिन बाद जाकर अपनी श्रृंद्धाजलि दुख प्रगट कर आया है। भारत और ईरान के संबंधों को यदि सरल शब्दों में समझा जाए, तो यह कहना अधिक उचित होगा कि ईरान न तो भारत का शत्रु है और न ही पारंपरिक अर्थों में सैन्य सहयोगी मित्र। बल्कि दोनों देशों के संबंध हितों, इतिहास और कूटनीति पर आधारित रणनीतिक साझेदारी के रूप में विकसित हुए हैं। ईरान भारत का शत्रु नहीं है, लेकिन पारंपरिक सैन्य मित्र भी नहीं है। वहीं संसद में भी विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी स्पष्ट कर दिया कि हमारी सरकार की प्रत्येक गतिविधियों पर नजर जारी है ताकि वर्तमान हालात पर नियंत्रण रहें। लेकिन सरकार अभी तक यह नहीं बता पाई कि इस युद्ध के पनपने वाली मंहगाई से कैसे निपटेगी। वर्तमान में कर्मशियल गैस पर अंकुश लग चुका है। घरेलू गैस पर संकट न आये तो सरका र क्या क्या कार्य रही है। अगर हम ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध के बारे में पड़ताल करें तो पायेंगे कि भारत और ईरान के संबंध हजारों वर्षों पुराने हैं। प्राचीन काल से ही दोनों क्षेत्रों के बीच व्यापार, संस्कृति और भाषा का आदान-प्रदान होता आया है। फ़ारसी भाषा का प्रभाव भी मध्यकालीन भारत की प्रशासनिक और सांस्कृतिक परंपराओं में भी दिखाई देता है। हमें ईतिहास में जाकर यह भी भूलना न होगा कि संघर्ष भी हुए, जैसे 1739 में ईरानी शासक नाडेर शाह ने भारत पर आक्रमण कर बैटल ऑफ करनाल में मुग़लों को हराया था। लेकिन आधुनिक दौर में दोनों देशों के संबंध मुख्यतः सहयोग और कूटनीति पर आधारित रहे हैं।

अगर हम ऊर्जा और व्यापार में साझेदारी की बात करें तो भारत एक बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता देश है और ईरान तेल-गैस का बड़ा स्रोत रहा है। भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए ईरान महत्वपूर्ण माना जाता है। इसी संदर्भ में भारत ने ईरान के चाबाहार पोर्ट के विकास में निवेश किया है, जिससे भारत को अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुँच मिलती है और पाकिस्तान को बाईपास करने का रास्ता मिलता है। ज्ञात रहे कि भारत -ईरान का रणनीतिक सहयोग रहा है और भारत और ईरान कई क्षेत्रों में सहयोग करते आये हैं। जैसे कि आतंकवाद और ड्रग तस्करी के खिलाफ सहयोग। अफगानिस्तान की स्थिरता में साझा हित, व्यापार और क्षेत्रीय संपर्क परियोजनाएं सहित अन्य कारणों से ईरान भारत के लिए रणनीतिक रूप से उपयोगी साझेदार माना जाता रहा है।

आज की अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भारत की नीति स्पष्ट है कि सभी देशों से संबंध रखना। किसी एक गुट में पूरी तरह शामिल न होना। अपने राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देना। इसलिए ईरान-इजऱायल या ईरान-अमेरिका तनाव में भारत अक्सर तटस्थ रुख अपनाता है और शांति की अपील करता है। वहीं पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक राजनीति के बदलते समीकरणों के बीच यह सवाल बार-बार उठता है कि क्या ईरान भारत का मित्र है या शत्रु। दरअसल अंतरराष्ट्रीय राजनीति में रिश्ते स्थायी दोस्ती या दुश्मनी के आधार पर नहीं बल्कि राष्ट्रीय हितों के आधार पर तय होते हैं। भारत और ईरान के संबंध भी इसी सिद्धांत पर चलते रहे हैं। पश्चिम एशिया की राजनीति में ईरान लंबे समय से एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली देश रहा है। हाल के वर्षों में क्षेत्रीय संघर्ष, प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय दबावों के कारण ईरान वैश्विक चर्चा के केंद्र में बना हुआ है। खासकर अमेरिका और इजऱाइल के साथ उसके तनावपूर्ण संबंधों ने पूरे पश्चिम एशिया की स्थिरता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ईरान की विदेश नीति हमेशा से पश्चिमी देशों के प्रभाव का विरोध करने वाली रही है। 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से ही अमेरिका और ईरान के रिश्तों में कड़वाहट बनी हुई है। अमेरिका द्वारा लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों ने ईरान की अर्थव्यवस्था को काफी प्रभावित किया है, लेकिन इसके बावजूद ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम और क्षेत्रीय प्रभाव को बनाए रखने की कोशिश जारी रखी है इजऱाइल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव भी वैश्विक चिंता का विषय बन चुका है। दोनों देशों के बीच सीधे युद्ध की स्थिति न होते हुए भी छद्म युद्ध और सैन्य गतिविधियाँ लगातार जारी हैं। यदि यह तनाव खुली लड़ाई में बदलता है तो इसका असर केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा पर भी पड़ेगा। भारत के लिए भी ईरान का महत्व कम नहीं है। भारत और ईरान के बीच ऊर्जा, व्यापार और रणनीतिक सहयोग के संबंध रहे हैं। विशेष रूप से चाबहार बंदरगाह परियोजना भारत के लिए मध्य एशिया और अफगानिस्तान तक पहुंच का एक महत्वपूर्ण मार्ग है। हालांकि अमेरिका के प्रतिबंधों के कारण भारत को ईरान के साथ अपने संबंधों में संतुलन बनाए रखना पड़ता है। आज के समय में आवश्यकता इस बात की है कि ईरान और पश्चिमी देशों के बीच संवाद और कूटनीति को बढ़ावा दिया जाए। युद्ध और टकराव किसी भी समस्या का समाधान नहीं होते। यदि कूटनीतिक प्रयास सफल होते हैं तो न केवल पश्चिम एशिया में शांति स्थापित हो सकती है, बल्कि वैश्विक आर्थिक स्थिरता भी मजबूत हो सकती है।

भगवान ऋषभ देव जी का जीवन परिचय

संतोष जैन

जैन परंपरा में 24 तीर्थंकर हुए हैं जिनमे पहले तीर्थंकर श्री ऋषभदेव और 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर हुए हैं । जैन धर्म आदि अनंत है फिर भी प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव इसके प्रवर्तक माने जाते हैं । भगवान ऋषभदेव का जन्म तीसरे काल के अंत में जब भोग भूमि की व्यवस्था नष्ट हो चुकी थी और कर्म भूमि की रचना प्रारम्भ हो रही थी तब अयोध्या के अंतिम मनु कुलकर श्री नाभिराज जी के घर उनकी पत्नी मरुदेवी से चैत्र शुक्ल नवमी के दिन अयोध्या में जन्म हुआ था । कल्पवृक्षों के नष्ट हो जाने के बाद बिना बोए धान से लोगों की आजीविका होती थी, परंतु कालचक्र से जब धान ही नष्ट हो गया,तब लोग भूख से पीड़ित होकर सभी राजा नाभिराज के पास पहुंचकर त्राहि त्राहि करने लगे। राजा नाभिराज प्रजा को अपने पुत्र ऋषभदेव जी के पास ले गए, लोगों ने अपनी करुण व्यथा उनके सामने प्रकट की , प्रजाजनों की व्यथा देखकर भगवान ऋषभदेव द्रवीभूत हो उठे और उन्होंने अवधी ज्ञान से विदेह क्षेत्र की व्यवस्था का स्मरण कर इस भारत क्षेत्र में वही व्यवस्था चालू करने का निश्चय किया। भगवान ऋषभदेव ने असि-तलवार (सुरक्षा) मसि-लेखन कार्य, कृषि- खेती विद्या-संगीत नृत्यगान शिल्प-वस्तुओं का निर्माण वाणिज्य-व्यापार इन 6 कार्यों का उपदेश दिया तथा जानता को समझाया की भोग भूमि थी जिसमे कल्पवृक्षों से भोगोप भोग की सामग्री मिलती थी, अब कर्मभूमि प्रारम्भ हो रही है , यह कर्म करने का युग है ।

कार्य किए बिना कोई जीवित नहीं रह सकता है । असि , मासी, कृषि, विद्या, वाणिज्य और शिल्प ये 6 कर्म हैं इन कर्मों से आप लोग अपनी आजीविका चलायें। भगवान ऋषभदेव ने तीन वर्णों की स्थापना की, छत्रीय वैश्य और शुद्र छत्रीय- भगवान ऋषभदेव ने बलवान लोगों को शास्त्र धारण करने की शिक्षा दी जो आतताइयों से निर्बल लोगों की रक्षा करें । इन लीगों को छत्रीय वर्ण की संज्ञा दी वैश्य- भगवान ऋषभदेव ने विहार करते हुए लोगों को शिक्षा दी की जो लोग एक स्थान से दूसरे स्थान जाकर तैयार वस्तुओं को पहुंचाएं उनको वैश्य वर्ण की संज्ञा दी

***शुद्र** - भगवान ऋषभदेव ने बताया कि यह कर्मयुग है, और कर्म बिना सहयोग के नहीं हो सकता है अतः उन्होंने पारस्परिक सहयोग करने वालों की आवश्यकता है, बहुत से लोगों ने इसे सेवावृत्ति के रूप में अपनाया, आदि ब्रह्मा ने इन्हें शुद्र की संज्ञा दी । इस तरह कर्म भूमि श्रष्टि के प्रारंभ में में आदि ब्रह्मा ने छत्रीय वैश्य और शुद्र वर्ण की स्थापना की ।*

भगवान ऋषभदेव के पुत्र भरत चक्रवर्ती के मन में आया कि मैंने दिग्विजय के द्वारा बहुत साधन इकट्ठा किया है और अन्य लोग भी अपनी शक्ति के अनुसार धन एकत्रित करते हैं आख़िर उसका त्याग कहाँ किया जाए ? उसका पात्र किसे बनाया जाये? इसी के साथ उन्होंने अनुभव किया की कुछ बुद्धिजीवी हों तो उनको तीनो वर्गों को सदा बौद्धिक सामग्री मिलती रहे, चक्रबर्ती भरत महाराज ने लोगों की बौद्धिक क्षमता की परीक्षा लेकर उन्हें ब्राह्मण वर्ग की संज्ञा दी। उस समय की सारी व्यवस्था भगवान ऋषभदेव ने की, यही आदि पुरुष, ब्रह्मा, विधाता आदि संज्ञाओं से अवतरित हुए। राजा नाभिराज के पुत्र ऋषभदेव ने महरानी यशस्वती और सुनंदा से विवाह किया तथा नाभिराज के महान आग्रह पर राज्य का भार स्वीकार किया, कालक्रम से महारानी यशस्वती से चक्रवर्ती भरत आदि 100 पुत्र तथा भ्रामनी नामक पुत्री हुई और रानी सुनंदा से बाहुबली पुत्र तथा सुंदरी नामक पुत्री उत्पन्न हुई। भगवान ऋषभदेव ने अपने पुत्र पुत्रियों को अनेक जनकल्याणी विद्याएँ पढ़ाई, जिसके द्वारा समस्त प्रजा में पठन पाठन की व्यवस्था प्रारम्भ हुई ।

चिंतन-मनन

इसलिए सबसे छोटा है कलियुग

शास्त्रों में सृष्टि के आरंभ से प्रलय काल तक की अवधि को चार युगों में बांटा गया है। वर्तमान में हम जिस युग में जी रहे हैं उसे कलयुग कहा गया है। इससे पहले तीन युग बीत चुके हैं सतयुग, त्रेता और द्वापर। भगवान श्री राम का जन्म त्रेतायुग में हुआ था और द्वापर में भगवान श्री कृष्ण का। कलियुग के अंत में भगवान कलकि अवतार लेंगे और संसार में फैले पाप और अन्याय के साम्राज्य का अंत करके पुनः धर्म की स्थापना करेंगे। भगवान ने चारों युगों में सबसे कम उम्र कलियुग को प्रदान किया है। शास्त्रों में सतयुग की अवधि 17 लाख 28 हजार वर्ष बतायी गयी है और त्रेता की अवधि 12 लाख 28 हजार। द्वापर युग की अवधि 8 लाख 64 हजार है जो त्रेता से लगभग 4 लाख वर्ष कम है। कलियुग की अवधि द्वापर से ठीक आधी, यानी 4 लाख 32 हजार है। सतयुग से कलयुग तक सभी युगों की अवधि छोटी होती गयी है। इसका कारण यह है कि, भगवान बताना चाहते हैं, जो जितना पापी होगा उसकी उम्र उतनी कम होगी। भविष्य पुराण सहित कई शास्त्रों एवं पुराणों में बताया गया है कि कलियुग में पाप की पराकाष्ठा होगी। मनुष्य का व्यवहार सृष्टि के नियम के विरूद्ध होता जाएगा। हिंसा में मनुष्य पशुओं को भी पीछे छोड़ देगा। पशु तो सिर्फ अपनी भूख मिटाने के लिए दूसरे पशु को मारते हैं मनुष्य अकारण ही दूसरे मनुष्य को मारेगा। सच्चे संत भिखारी कहलाएंगे और अपमानित होंगे। कथावाचक और झूठे संत ऊंचे आसन पर विराजमान होंगे। तुलसीदास जी ने भी कलियुग के इस रूप का वर्णन किया है। त्रेतायुग में रावण ने सीता का हरण किया लेकिन उनकी मर्जी के बिना उन्हें अपनाना पाप समझा। इस युग में छोटा भाई बड़े भाई के प्रति आज्ञाकारी था। बड़ा भाई अपने स्वार्थ के लिए छोटे भाई के साथ छल नहीं करता था। इसका उदाहरण राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न ये चार भाई हैं। त्रेता से जब द्वापर में आते हैं तब पाप बढ़ता दिखता है। द्वापर युग में देवर अपनी भाभी को बीच सभा में नग्न करने की कोशिश करता है जिसका उदाहरण द्रौपदी चीर हरण की घटना है। राजा अपनी शक्ति के मद में अबला स्त्रियों को हवस का शिकार बनाना चाहता है। इसका उदाहरण जयद्रथ द्वारा द्रौपदी हरण और दुर्योधन द्वारा भीलों की कन्या का हरण करने की घटना है। भाई अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए पूरे परिवार को युद्ध की आग मंस झोंक देता है इसका उदाहरण महाभारत युद्ध है। लेकिन कलियुग में आये दिन भाई-भाई, बाप-बेटे में स्वार्थ की पूर्ति के लिए लड़ाई होती है। लोगों की काम-वासना इतनी बढ़ गयी है कि आये दिन स्त्रियों का हरण होता है और उन्हें अपमानित किया जाता है। पाप आचरण से भरा हुआ कलियुग अगर अधिक दिनों का होगा तो सृष्टि में हाहाकार मच जाएगा। यही कारण है कि भगवान ने कलियुग को सबसे कम उम्र दिया।

खास बात

आईटी पेशोवरों से मिले राहुल गांधी

राहुल गांधी नेता कम अभिनेता ज्यादा लगते हैं। जहां पर भी वह पहुंचते हैं। सभी के प्रिय बन जाते हैं। राहुल गांधी 2 दिन की केरल यात्रा पर गए थे। उन्होंने वहां पर आईटी पेशोवरों के साथ मुलाकात की ।स्कूल में बच्चों के साथ जूडो और कराटे भी कर लिया। कुछ महीने बाद केरल में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। लोकप्रियता का झंडा गाड़ने का कोई मौका राहुल गांधी नहीं छोड़ते हैं। चुनाव परिणाम में सही स्थिति का पता लगेगा।

ममता दीदी से नाराज राष्ट्रपति ?

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अंतर्राष्ट्रीय संथाल कॉन्फ्रेंस में भाग लेने के लिए पश्चिम बंगाल गई थी। विधानसभा चुनाव के ठीक पहले यह कार्यक्रम राजनीति को ध्यान में रखते हुए अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा ने आयोजित किया था। कायदे से राष्ट्रपति को वहां नहीं जाना चाहिए था। राष्ट्रपति पश्चिम बंगाल पहुंची, उन्हें लेने और स्वागत करने के लिए ना तो राज्यपाल थे। ना मुख्यमंत्री पहुंची,नाही सरकार का कोई मंत्री पहुंचा ।पहली बार राष्ट्रपति द्रोपति मुर्मू को लगा, उन्होंने गलत नंबर डायल कर दिया है ।उन्होंने नाराजी व्यक्त की। ममता दीदी ने उन्हें ऐसा जवाब दिया। जिसको सुनकर उनके पास चुप रहने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। केंद्र सरकार ने राष्ट्रपति के पद को भी विवादास्पद बना दिया है। चुनाव प्रचार में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति एवं राज्यपालों का उपयोग बड़े पैमाने पर होने लगा है। विपक्ष ने भी विरोध करने के लिए अपनी कमर कस ली है।

एक बार फिर पलटे नीतीश बाबू

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पलटू राम के नाम से देश भर में जाना जाता है। कुछ महीने पहले चुनाव हुए थे ।वह बिहार के मुख्यमंत्री बने ।अब मुख्यमंत्री पद छोड़कर राज्यसभा जाने की तैयारी कर रहे हैं। बिहार में पहली बार भाजपा का मुख्यमंत्री बनने जा रहा है? देश में कहा जा रहा है, जिस तेजी के साथ पलटू राम पलटते हैं। उतनी तेजी के साथ गिरगिट भी अपना रंग नहीं बदलती है ।इस पलटी से नीतीश बाबू को क्या मिला,क्या खोया। इसका पता तो समय आने पर ही लगेगा। सामान्यतः लोग मुख्यमंत्री बनने के लिए केंद्र के बड़े से बड़े पद को छोड़ देते हैं। बिहार में तो उलटी गंगा बह रही है।

ट्रंप ने भारत सरकार को एक्सपोज किया

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को बुरी तरह से सारी दुनिया के सामने एक्सपोज किया है। राजनीति में जिन बातों पर पर्दा डाला जाता है। उन्हीं बातों को ट्रंप ने बार-बार दोहराकर भारत सरकार को सारी दुनिया के सामने एक्सपोज किया है। रूस से तेल खरीदी पर पहले प्रतिबंध लगाया। फिर 30 दिन की छूट देकर मोदी सरकार को तगड़ा झटका दिया है। यह ऐलान भी ट्रंप प्रशासन ने खुद किया। वह भी ऐसे समय पर, जब विपक्ष मोदी सरकार पर बुरी तरीके से निशाना साध रहा है ।संसद का सत्र चल रहा है। होनी को टालना किसी के बस की बात नहीं है। सनातन धर्म में इसकी व्याख्या है।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, चैत्र कृष्ण पक्ष, शिशिर ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोद्रय पश्चिमे तिथि, नवमी, गुरुवार, मूल नक्षत्रे, सिद्ध योगे, तैतिल करणे, धनु की चंद्रमा, मूल समाप्त रात्रि 10/40 रोग विमुक्ता स्नान मुर्हूत तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तम वृत्ति वाला, जिद्दी-हठी, सैनिक, सिपाही, धनीमानी, योगी-भोगी, प्रशासनिक अधिकारी, डॉक्टर, इंजीनियर होगा।

मेष राशि- विशेष कार्य स्थगित रखें, अचानक घटना का योग बन सकता है सावधान रहें।

वृष राशि- सफलता के साधन जुटायें, अन्यथा आरोप व क्लेश संभव है।

मिथुन राशि- अधिकारियों से मेल-मिलाप स्थगित रखें, क्लेश व अशांति का वातावरण बनेगा।

कर्क राशि- विरोधी प्रबल होंगे, परेशानी से बचिये, जल्दबाजी से कार्य में हानि हो सकती है।

सिंह राशि- भाग्य का सितारा प्रबल होगा, मान-प्रतिष्ठा, सुख के साधनों में वृद्धि होगी।

कन्या राशि- कुटुम्ब की समस्यायें सुलझेंगी, धन का व्यय होगा, सुख में वृद्धि होगी।

तुला राशि- संतान से सुख एवं सम्पन्नता के योग बनेंगे, मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वृश्चिक राशि- कार्य-कुशलता से संतोष, बिगड़े कार्य बनेंगे, इष्ट मित्रों से परेशानी होगी।

धनु राशि- कार्य-व्यवसाय उत्तम, किराना-कपड़ा व्यवसाय अवश्य ही बढ़ेगा।

मकर राशि- स्त्री कष्ट, समय और धन नष्ट होगा, स्वभाव में बेचैनी अवश्य बनेगी।

कुंभ राशि- षड़यंत्र व कष्टप्रद स्थिति सामने आयेगी, कुटुम्ब के लोग पीड़ा पहुंचायेंगे।

मीन राशि- धन लाभ, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, व्यवसाय की चिन्ता होगी।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

12 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.24 बजे से
चंद्र	धनु में	मेष	07.54 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	09.35 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	11.33 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	13.46 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	16.02 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	18.14 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	20.25 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	22.40 ब.से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		धनु	00.56 बजे से
		मकर	03.01 बजे से
		कुंभ	04.47 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 71 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण
तिथि नवमी अहोरात्र।
नक्षत्र मूल 00.44 बजे रात्र को समाप्त।
योग सिद्धि(असुक) 09.59 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 17.28 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 22.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 03° 24'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872646
जूलियन दिन 2461111.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रमजान
तारीख 22

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
शुभ	05.54 से	07.22	बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11	बजे तक
रोग	07.22 से	08.51	बजे तक	चर	07.11 से	08.43	बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19	बजे तक	रोग	08.43 से	10.15	बजे तक
चर	10.19 से	11.47	बजे तक	काल	10.15 से	11.47	बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15	बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19	बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43	बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51	बजे तक
काल	02.43 से	04.11	बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23	बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40	बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

‘भारत टैक्सी’ सेवा का विस्तार देश के अन्य राज्यों तक करने की योजना

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को कहा कि कोऑपरेटिव सेक्टर की राइड-हेलिंग सेवा भारत टैक्सी को अगले दो से तीन वर्षों में देश के सभी बड़े शहरों और तालुकाओं तक विस्तार दिया जाएगा। राज्यसभा में पूछे गए एक सवाल के जवाब में सहकारिता राज्य मंत्री क्रिश्न पाल गुर्जर ने बताया कि इस सेवा की शुरुआत ड्राइवरों को सशक्त बनाने और उनकी आय बढ़ाने के उद्देश्य से की गई है। उन्होंने कहा कि इस सेवा की बुकिंग मोबाइल ऐप के जरिए आसानी से की जा सकती है और इसमें सुरक्षा तथा पारदर्शिता का विशेष ध्यान रखा गया है। यह सेवा देहली पुलिस के साथ भी इंटीग्रेट की गई है। फिलहाल यह दिल्ली-एनसीआर के साथ गुजरात के अहमदाबाद, राजकोट, सोमनाथ और द्वारका जैसे शहरों में संचालित हो रही है।

मंदिर समिति ने प्रस्ताव को दी मंजूरी

बदरीनाथ-केदारनाथ धाम में गैर सनातनी के प्रवेश पर रोक

नई दिल्ली ■ निसं

उत्तराखंड के बदरीनाथ और केदारनाथ धाम में इस वर्ष से गैर सनातनी का प्रवेश वर्जित रहेगा। मंदिर समिति के एक पदाधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई बोर्ड बैठक में इस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई।

अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने बताया कि यह फैसला अगले महीने शुरू हो रही यात्रा से लागू होगा और अब गैर सनातनी, मंदिर परिसरों और गर्भगृहों में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। इससे पहले उन्होंने कहा था कि गैर हिंदुओं के प्रवेश पर रोक की व्यवस्था आदि शंकराचार्य के समय से ही है

और भारतीय संविधान भी धार्मिक स्थलों के प्रबंधन का अधिकार देता है।

गंगोत्री धाम में प्रतिबंध

उत्तराखंड के गंगोत्री धाम में भी गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। श्री गंगोत्री मंदिर समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया था। यह प्रतिबंध न केवल गंगोत्री धाम पर बल्कि मां गंगा के शीतकालीन निवास मुखबा पर भी लागू होगा। श्री गंगोत्री मंदिर समिति के अध्यक्ष सुरेश सेमवाल ने इस फैसले के बारे में जानकारी देते हुए कहा था कि धाम में गैर-हिंदुओं का प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। यह प्रतिबंध देवी के शीतकालीन निवास मुखबा पर भी लागू रहेगा। इसके अतिरिक्त, उत्तराखंड सरकार हरिद्वार के 120 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले 105 घाटों में गैर-हिंदुओं के प्रवेश को प्रतिबंधित करने पर विचार कर रही है। यह कदम कुछ संतों और गंगा सभा के अनुरोधों के जवाब में उठाया जा रहा है। राज्य सरकार कथित तौर पर हरिद्वार और ऋषिकेश दोनों को सनातन पवित्र शहर (पवित्र नगर) घोषित करने की योजना बना रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार इच्छामृत्यु की इजाजत दी

13 साल से कोमा में है बेटा, माता-पिता ने लगाई थी गुहार

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को इच्छामृत्यु मामले में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया। कोर्ट ने 13 साल से कोमा में रह रहे 31 साल के युवक हरीश राणा को इच्छामृत्यु (पैसिव यूथेनेशिया) की मंजूरी दे दी। गाजियाबाद के रहने वाले हरीश लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर हैं।

देश में इस तरह का यह पहला मामला है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने एम्स को निर्देश दिया कि हरीश के लाइफ सपोर्ट सिस्टम को चरणबद्ध तरीके से हटाया जाए। यह प्रोसेस इस तरह से की जानी चाहिए कि मरीज की गरिमा बनी रहे। पैसिव यूथेनेशिया का मतलब होता है कि किसी गंभीर रूप से बीमार मरीज को जिंदा रखने के लिए जो बाहरी लाइफ सपोर्ट या इलाज दिया जा रहा है, उसे रोक दिया जाए या हटा लिया जाए, ताकि मरीज की प्राकृतिक रूप से मौत हो सके। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला हरीश की मां निर्मला राणा और पिता अशोक राणा की इच्छामृत्यु देने की अपील पर सुनाया। हरीश अपनी मां निर्मला राणा के साथ। परिवार ने बताया कि बेटे के इलाज के लिए अपनी संपत्ति तक बेच दी, लेकिन अब आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है। बेटे की तकलीफ भी नहीं देखी जाती। हरीश अपनी मां निर्मला राणा के साथ। परिवार ने बताया कि बेटे के इलाज के लिए अपनी संपत्ति तक बेच दी, लेकिन अब आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है। बेटे की तकलीफ भी नहीं देखी जाती।

फैसले पर पिता अशोक ने कहा: हम इसके लिए लंबे समय से लड़ रहे थे। कौन से माता-पिता अपने बेटे के लिए ऐसा चाहेंगे। पिछले 3 साल से हम यह मामला लड़ रहे थे। अब उसे एम्स ले जाया जाएगा। वह पंजाब यूनिवर्सिटी में टॉपर हुआ करता था।

हरीश हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिरे थे, तब से बिस्तर पर: दिल्ली में जन्मे हरीश राणा चंडीगढ़ की पंजाब यूनिवर्सिटी से बीटेक की पढ़ाई कर रहे थे। 2013 में वह हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिर गए। इसकी वजह से उनके पूरे शरीर में लकवा मार गया और वह कोमा में चले गए। वह न कुछ बोल सकते हैं और न ही महसूस कर सकते हैं। डॉक्टर्स ने हरीश को क्वाड्रिप्लेजिया बीमारी से पीड़ित करार दिया। इसमें मरीज पूरी तरह से फीडिंग ट्यूब यानी खाने-पीने की नली और वेंटिलेटर सपोर्ट पर निर्भर रहता है। इसमें रिकवरी की कोई गुंजाइश नहीं होती। 13 साल से बिस्तर पर पड़े होने की वजह से हरीश के शरीर पर बेडसोर्स यानी गहरे घाव बन गए हैं। उनकी हालत लगातार खराब होती जा रही है। यह स्थिति हरीश के लिए बहुत दर्दनाक है। परिवार के लिए उन्हें ऐसे देखना मानसिक रूप से बेहद कठिन हो गया है। वेंटिलेटर, दवाइयों, नर्सिंग और देखभाल पर कई साल से इतना खर्च हो चुका है कि परिवार आर्थिक रूप से टूट चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में शेक्सपीयर का जिक्र किया जस्टिस पारदीवाला ने फैसला सुनाते वक्त अमेरिकी धर्मगुरु हेनरी वार्ड बीचर के शब्दों का हवाला देते हुए कहा, ‘ईश्वर मनुष्य से यह नहीं पूछते कि वह जीवन स्वीकार करता है या नहीं, उसे जीवन लेना ही पड़ता है।’

उन्होंने विलियम शेक्सपीयर के प्रसिद्ध नाटक हेलमेट की पंक्ति ‘ञश ड्ढद्ग शह्र ठ्ठशह्ल ह्लश ड्ढद्ग’ का भी जिक्र करते हुए कहा कि अदालतों को कई बार इसी तरह के प्रश्नों के संदर्भ में ‘मरने के अधिकार’ पर विचार करना पड़ता है।

लाइफ सपोर्ट हटाने का निर्णय दो आधारों पर होना चाहिए: अदालत ने यह भी कहा कि डॉक्टर का कर्तव्य मरीज का इलाज करना है, लेकिन जब मरीज के ठीक होने की कोई संभावना न हो, तो यह कर्तव्य उसी रूप में कायम नहीं रहता।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से कानून बनाने को कहा: सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पैसिव यूथेनेशिया पर कानून बनाने पर विचार करने का भी कहा। फिलहाल भारत में यह केवल सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों के आधार पर ही संभव है, जिसमें मरीज की स्थिति पर दो मेडिकल बोर्ड की राय जरूरी होती है।

रूस से 3 करोड़ बैरल कच्चा तेल खरीदेगा भारत

मिडिल-ईस्ट तनाव के चलते रिलायंस और आईओसी ने बढ़ाई बुकिंग

नई दिल्ली ■ निसं

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की सप्लाई में आ रही रुकावटों के बीच भारत ने रूस से भारी मात्रा में तेल खरीदने का फैसला किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत करीब 3 करोड़ बैरल रूसी कच्चा तेल खरीदेगा। रिपोर्ट में बताया कि, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी कंपनियों ने रूसी तेल के एग्रीमेंट किए हैं। हाल ही में अमेरिका ने समुद्र में फंसे रूसी तेल के शिपमेंट्स खरीदने के लिए भारत को 30 दिन (3 अप्रैल तक) की छूट देने की बात कही थी। हालांकि, इस पर भारतीय अधिकारी कह चुके हैं कि भारत तेल खरीदने के लिए किसी भी देश की इजाजत पर निर्भर नहीं है।

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमलों के बाद स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज के जरिए होने वाली तेल की सप्लाई प्रभावित हुई है। ऐसे में भारतीय रिफाइनर्स ने उन रूसी जहाजों को सुरक्षित किया है जो पहले से ही एशियाई समुद्र में मौजूद थे, लेकिन उन्हें खरीदार नहीं मिल रहे थे। ट्रेडर्स का कहना है कि इंडियन ऑयल ने करीब 1 करोड़ बैरल और रिलायंस ने भी कम से कम 1 करोड़ बैरल तेल खरीदा है। बाकी बचा हुआ तेल अन्य

भारतीय रिफाइनिंग कंपनियों ने लिया है।

रास्ते में ही जहाजों ने भारत की ओर मोड़ा रुख: शिपिंग डेटा से पता चला है कि मायलो और सारा जैसे कई बड़े तेल टैंकर, जो पहले सिंगापुर की ओर जा रहे थे, उन्होंने अब भारत के बंदरगाहों की तरफ अपना रास्ता मोड़ लिया है। अमेरिकी छूट मिलने के तुरंत बाद इन जहाजों के डेस्टीनेशन बदल दिए गए। रूस ने इस बार यूराल्स, ईएसपीओ और वरान्डे जैसे ग्रेड का तेल ऑफर किया है।

सऊदी और इराक से घटाकर फिर रूस पर फोकस: पिछले कुछ महीनों में भारत ने रूस से तेल की खरीद कम कर दी थी और इसकी जगह सऊदी अरब और इराक से ज्यादा तेल लेना शुरू किया था। आंकड़ों के मुताबिक, फरवरी में रूस से आयात घटकर 10.6 लाख बैरल प्रति दिन रह गया था, जो कि 2024 के मध्य में 20 लाख बैरल प्रति दिन से ज्यादा था। अब मिडिल ईस्ट संकट की वजह से एक बार फिर भारत ने रूस की तरफ रुख किया है, ताकि देश में ऊर्जा की किल्लत न हो।

जरूरत का 70 प्रतिशत कच्चा तेल अब दूसरे रास्तों से आएगा: ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को ब्लॉक कर दिया है, जहां से दुनिया की 20 प्रतिशत तेल सप्लाई होती है। वहीं, भारत अपनी जरूरत का 50 प्रतिशत कच्चा तेल और 54 प्रतिशत एलएनजी इसी रास्ते से मंगाता है, लेकिन वर्तमान हालात को देखते हुए भारत ने अपनी रणनीति बदल ली है और इस विवादित रास्ते पर निर्भरता कम कर दी है। वहीं, भारतीय कंपनियां जल्द से जल्द अपना स्टॉक भरना चाहती हैं। भारत ने उन रास्तों से होने वाले कच्चे तेल के आयात में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है, जो होर्मुज के दायरे में नहीं आते।

एक दिन तू भी फ्रिज में मिलेगी

प्रेमी की मानसिक प्रताड़ना से टूटी स्तुति, फांसी लगाकर की आत्महत्या

मुंबई ■ एजेंसी

स्तुति के छह पन्नों के सुसाइड नोट और सहेली के बयान से हुआ खुलासा

मुंबई में एक महिला डेंटिस्ट की आत्महत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह मामला न केवल एक होनहार डॉक्टर की दुखद मृत्यु का है, बल्कि इसमें दिल्ली के कुख्यात श्रद्धा वालकर हत्याकांड जैसी खौफनाक धमकियों का जिक्र होने से समाज में गहरी चिंता बढ़ गई है।

मुंबई के एंटॉप हिल इलाके में रहने वाली 28 वर्षीय डॉ.स्तुति बजरंग सोनवाने ने 8 मार्च को अपने घर में फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। स्तुति पेशे से एक डेंटिस्ट थीं और अपने माता-पिता व बहन के साथ रहती थीं। घटना के वक्त उनके माता-पिता बाहर गए थे, और वापस लौटने पर जब कमरा नहीं खुला, तब दरवाजा तोड़ने पर स्तुति का शव बरामद हुआ।

पुलिस जांच में सबसे चौंकाने वाला खुलासा स्तुति के छह पन्नों के सुसाइड नोट और उनकी सहेली के बयान से हुआ है। स्तुति ने अपनी सहेली को बताया था कि उनका प्रेमी, डॉ.फजल मोहम्मद खान, उन्हें लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित करता था। डॉ. फजल अक्सर स्तुति को डराने के लिए कहता था, एक दिन तू भी फ्रिज में मिलेगी। यह सीधी धमकी दिल्ली के उस वीभत्स हत्याकांड की याद दिलाती है, जिसमें आफताब पूनावाला ने अपनी पार्टनर श्रद्धा वालकर की हत्या कर उसके शरीर के टुकड़े फ्रिज में छिपा दिए थे। सुसाइड नोट में भी इस हत्याकांड का जिक्र है, जो दर्शाता है कि स्तुति किस कदर गहरे मानसिक खौफ में जी रही थीं।

स्तुति और फजल की मुलाकात एक डेटिंग ऐप के जरिए हुई थी। पिछले एक साल से वे रिश्ते में थे, लेकिन यह रिश्ता प्यार के बजाय उत्पीड़न का केंद्र बन गया। दोनों के बीच अक्सर झगड़े होते थे और फजल उन्हें जान से मारने की धमकियां देता था। पुलिस के अनुसार, इसी निरंतर मानसिक यातना और श्रद्धा वालकर जैसा हाल करने की धमकियों से तंग आकर स्तुति ने आत्मघाती कदम उठाया। मुंबई की एंटॉप हिल पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लोअर परेल निवासी डॉ. फजल मोहम्मद खान को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। अदालत ने आरोपी को पुलिस हिरासत में भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी फांसी लगाने की पुष्टि हुई है।

दो अन्य सहयोगी सदस्यों को भी प्रक्रिया से बाहर करे

एनसीईआरटी विवाद: चैप्टर बनाने वाली टीम में शामिल प्रो.मिशेल को बैन करे केंद्र

नई दिल्ली ■ निसं

सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी के कक्षा 8वीं की सोशल साइंस की किताब में करप्शन इन द ज्यूडिशियरी नाम का सब-चैप्टर तैयार करने वाली टीम को हटाने की तैयारी कर ली है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार, सभी राज्य सरकारों और पब्लिक फंडेड इंस्टीट्यूशन्स को निर्देश दिया है कि एनसीईआरटी के सोशल साइंस करिकुलम के चेयरपर्सन प्रोफेसर मिशेल डेनिनो को पाठ्यक्रम से अलग करें।

साथ ही, उनके दो अन्य सहयोगी सदस्यों दिवाकर और आलोक प्रसन्न कुमार को भी पाठ्यक्रम तैयार करने की प्रक्रिया में शामिल न करे। इसके अलावा, तीनों को नेक्स्ट जनरेशन टेक्स्टबुक्स को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया से भी अलग किया जाए। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सीजेआई सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने प्रो. डेनिनो और उनकी टीम को चैप्टर की तैयारी और उस करिकुलम में शामिल करने की प्रक्रिया से अलग करने के आदेश दिए है। साथ ही उन्हें किसी भी पब्लिक फंडेड इंस्टीट्यूशन में सेवा देने से भी रोकने का निर्देश दिया है।

शीर्ष अदालत ने सुनवाई के दौरान कहा कि पहली नजर में ऐसा मानने का कोई कारण नहीं है कि प्रोफेसर डेनिनो, दिवाकर और आलोक को न्यायपालिका के बारे में जानकारी नहीं है। यह भी माना जा सकता है कि उन्होंने जानबूझकर तथ्यों को इस तरह पेश किया, जिससे कक्षा 8 के छात्रों के सामने न्यायपालिका की नकारात्मक छवि बने। कोर्ट ने कहा कि कक्षा 8 के छात्र कम उम्र के होते हैं और उन पर ऐसी बातों का असर पड़ सकता है। इसलिए यह समझ से बाहर है कि इसतरह के लोगों को करिकुलम बनाने या नेक्स्ट जनरेशन की किताबें तैयार करने में उन्हें क्यूं शामिल किया जाए।

इससे पहले मंगलवार, एनसीईआरटी ने किताब के करप्शन इन ज्यूडीशियरी चैप्टर को लेकर बिना शर्त माफी मांगी थी। इस चैप्टर को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद किताब की बिक्री पर रोक लगा दी गई थी। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा था कि न्यायपालिका को बदनाम करने की इजाजत नहीं दे सकते।

धर्मगुरु आसाराम बापू ने अयोध्या में किए रामलला के दर्शन

स्वास्थ्य कारणों से हनुमानगढ़ी मंदिर के दर्शन नहीं कर सके

अयोध्या, एजेंसी। अयोध्या में नाबालिग से रेप केस में सजायाफ्ता धर्मगुरु आसाराम बापू ने बुधवार को राम मंदिर में रामलला के दर्शन किए। वे तीन वाहनों के काफिले के साथ मंदिर परिसर में पहुंचे। उन्हें मंदिर के उस आदि शंकराचार्य द्वार से प्रवेश दिया गयाए जहां से आमतौर पर वीआईपी अतिथियों को ही प्रवेश मिलता है। इसी गेट से प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री जैसे विशिष्ट लोग मंदिर में जाते हैं। मंदिर परिसर में पहुंचने के बाद आसाराम को विशिष्ट अतिथि की तरह दर्शन कराए गए। मंदिर निर्माण से जुड़े प्रभारी गोपाल जी ने उन्हें मंदिर की संरचनाए निर्माण कार्य और विशेषताओं के बारे में जानकारी दी। आसाराम ने करीब 10 मिनट तक रामलला के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने रामलला की प्रतिमा को ध्यानपूर्वक निहारा और मंदिर की भव्यता को देखा। मंदिर के सोने के दरवाजोंए दीवारों पर बनी

कलाकृतियों और वास्तुकला को भी उन्होंने करीब से देखा। हालांकि अयोध्या के प्रसिद्ध मंदिर हनुमानगढ़ी में वे दर्शन नहीं कर सके। हनुमानगढ़ी मंदिर तक पहुंचने के लिए काफी सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैंए इसलिए स्वास्थ्य कारणों से वे वहां नहीं जा सके। राम मंदिर में करीब 30 मिनट बिताने के बाद आसाराम वापस लक्ष्मण किला लौट आए। फिलहाल उनका ठहराव इसी स्थान पर हैए जो सरयू तट के पास स्थित एक आचार्य पीठ है। उनके सेवादारों ने यह जानकारी नहीं दी कि अयोध्या के बाद उनका अगला पड़ाव कहां होगा। आसाराम मंगलवार शाम को ही अयोध्या पहुंचे थे। वहां उन्होंने सरयू नदी के तट पर भी समय बिताया। इस दौरान कुछ लोग उनके सामने हाथ जोड़कर अभिवादन करते नजर आए।

गौरतलब है कि आसाराम फिलहाल जेल से अस्थायी जमानत पर बाहर हैं। उन्हें राजस्थान हाई कोर्ट ने 29 अक्टूबर को छह महीने की जमानत दी थी। इसके बाद 6 नवंबर को गुजरात हाई कोर्ट ने भी उन्हें छह महीने की अंतरिम जमानत प्रदान की। अदालत में उनकी ओर से दलील दी गई थी कि वे हृदय संबंधी बीमारी से पीड़ित हैं और स्वास्थ्य कारणों से उन्हें राहत दी जानी चाहिए। फिलहाल उसी जमानत अवधि के दौरान वे अयोध्या आए हैं और धार्मिक स्थलों के दर्शन कर रहे हैं।

मार्च में ही आसमान से बरसने लगी आग.. 15 मार्च के बाद गर्मी और बढ़ेगी

नई दिल्ली। मार्च में ही मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा सहित अन्य राज्यों में दिन का तापमान तेजी से बढ़ रहा है। राजस्थान में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रहा, सबसे ज्यादा बाढ़मेर में 40.6 डिग्री सेल्सियस रहा। तेज गर्मी के साथ-साथ 2 जिलों में हीटवेव और 19 जिलों में ओले गिरने का अलर्ट है। मध्य प्रदेश में मार्च के दूसरे हफ्ते से ही तेज गर्मी होने लगी है। ग्वालियर-चंबल में तापमान सामान्य से 6 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रहा। मौसम विभाग के मुताबिक 15 मार्च के बाद गर्मी और बढ़ेगी। मंगलवार को धार में पारा सबसे ज्यादा 39 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। बाकी शहरों में 34 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा। उत्तर प्रदेश में मंगलवार को अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रहा, लेकिन आज सुबह लखनऊ, कानपुर सहित 15 शहरों में धुंध छाई।

लोकसभा में स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान

रविशंकर प्रसाद बोले पीएम मोदी का भारत कभी कॉम्प्रोमाइज्ड नहीं होगा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला को पद से हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने राहुल गांधी और विपक्ष पर कई आरोप लगाए। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि हम जब भी बोलने को होते हैं हमे रोका-टोका जाता है। उन्होंने कहा कि यह चर्चा लोकतंत्र और स्पीकर की भूमिका पर है। कई मौकों पर मेरा नाम लिया गया। हर समय हमें बोलने से रोका गया। राहुल ने कहा कि आखिरी बार बोलते हुए मैंने प्रधानमंत्री की ओर से कॉम्प्रोमाइज का मुद्दा उठाया था। सदन देश का प्रतिनिधित्व करता है। पहली बार विपक्ष के नेता को नहीं बोलने दिया गया। पीएम कॉम्प्रोमाइज्ड

हैं। राहुल के इतना बोलने पर रविशंकर प्रसाद ने कहा- नेवर...नेवर। पीएम मोदी का भारत कभी कॉम्प्रोमाइज्ड नहीं होगा। इनको बेसिक समझदारी भी नहीं है। स्पीकर ने कई बार चेयर घेरी गई, कागज फेंके गए, लेकिन वह मुस्कराते रहे। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना अफसोसजनक, क्योंकि स्पीकर किसी एक दल के नहीं है, वे सभी के हैं। स्पीकर को नियमों के उल्लघंन पर रोकने और टोकने का अधिकार है।

सरकार ने देश को हाईजैक किया: वेणुगोपाल: वेणुगोपाल बोले

सरकार ने देश को हाईजैक किया है। ये देश की संस्थाओं का गलत यूज कर रहे हैं। ईडी, सीबीआई और दूसरी जांच एजेंसियों का गलत यूज कर रहे हैं। ये स्पीकर को हटाने का प्रस्ताव नहीं है। ये देश और सदन की डिग्निटी बचाने का प्रस्ताव है। वेणुगोपाल ने कहा- देश के पीएम सदन में क्यों नहीं है। वे स्पीकर के अविश्वास प्रस्ताव पर बोलने के लिए क्यों नहीं आए हैं। हमारे पीएम नेहरू हमेशा सदन में मौजूद रहते थे।

चर्चा के दौरान अनुराग ठाकुर ने कहा कि ये कौन लोग हैं जो राम को काल्पिनक बताते हैं। टी-20 वर्ल्प कप जीतने पर भारतीय टीम के लिए मेज तक नहीं बजा सके हैं। राहुल को लगता है कि पीएम का पद तो उनके लिए ही है। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि देश माओवादतंत्र से नहीं लोकतंत्र से चलता है। हमारे सदस्य को संसद के बाहर गद्दार कहा गया था। हम तो आफगानिस्तान से अपने लोगों को वापस लाए। इन लोगों ने सिखों के गले कटवाए। सरेंडर आप लोगों ने किया था चीन को 38 हजार स्क्वयार मीटर जमीन देकर। हमने तो अपने सेना को खुली छूट दी। अनुराग ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी टुकड़े टुकड़े गैंग के साथ जाकर खड़े हो गए थे। वोटी-वोटी नोचने वाला बयान इनके नेता ने दिया।

गौ-प्रतिष्ठा जनजागरण अभियान का शंखनाद कर अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा, भाजपा अब भागपा हो गई

लखनऊ ■ एजेंसी

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने लखनऊ में गौ-प्रतिष्ठा जनजागरण अभियान का शंखनाद किया। इसके बाद उन्होंने सभा को संबोधित कर कहा कि भाजपा अब भागपा हो गई है। अगर आप लोग पक्के गौ-भक्त नहीं होते, तब इतनी रुकावट के बावजूद यहां आकर बैठे न होते। आप जितने भी लोग आए हैं, कार्यक्रम खत्म होने के बाद नाम नोट करके जाएं। क्योंकि, आप लोग कार्यक्रम के फाउंडर सदस्य है। शंकराचार्य ने कहा कि 26 शर्तों के साथ कार्यक्रम की अनुमति मिली है। इसमें कहा गया है कि किसी का नाम नहीं लेना है। इस बात से लोगों के मन में संदेह पैदा हो रहा है। आखिर किसका नाम पुलिस छिपाना चाहती है? उसने ऐसा क्या किया है?

दरअसल, लखनऊ प्रशासन ने 26 शर्तों के साथ कार्यक्रम की अनुमति दी है। इसके मुताबिक, सभा में धर्म, जाति, समुदाय या भाषा के खिलाफ भड़काने वाली कोई बात नहीं होगी। शंकराचार्य ने कहा कि यह राजनीतिक नहीं, धार्मिक सभा है। मैं पूछना चाहता हूं। सभी में आए कितने लोग गौ भक्त हैं? शंकराचार्य ने लोगों से हाथ उठवाकर गाय भक्त होने का सबूत मांगा। शंकराचार्य ने कहा कि कुछ कहने से पहले मैं एक सवाल पूछना चाहता हूं। यहां सपा, बसपा, भाजपा और कांग्रेस के कितने लोग मौजूद हैं? कृपया हाथ उठाकर बताइए। कुछ लोग कह रहे थे कि हमें कांग्रेस और सपा के लोगों का समर्थन मिला है, लेकिन यहां अधिकतर लोग बीजेपी से हैं। आज से एक नया इतिहास शुरू हो रहा है। हम चाहते हैं कि आप लोग इसके संस्थापक बनें। अभी बच्चा पैदा भी नहीं हुआ है और लोग उसकी सोनोग्राफी की तस्वीर दिखा रहे हैं।

हमारे व्यवहार से हमारे ग्रहों की स्थितियां होती हैं प्रभावित

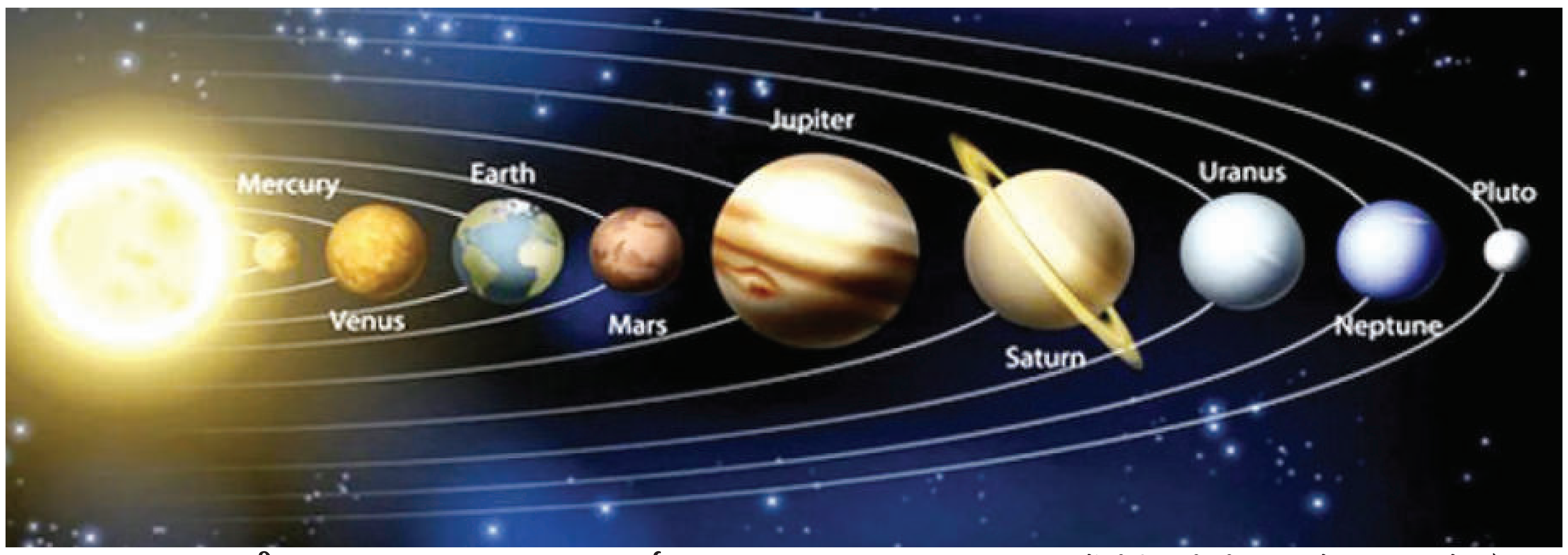

ग्रहों का व्यक्ति के जीवन के साथ-साथ व्यवहार पर भी सीधा प्रभाव पड़ता है। हमारा व्यवहार हमारे ग्रहों की स्थितियों से संबंध रखता है या हमारे व्यवहार से हमारे ग्रहों की स्थितियां प्रभावित होती हैं। अच्छा या बुरा व्यवहार सीधा हमारे ग्रहों को प्रभावित करता है। ग्रहों के कारण हमारे भाग्य पर भी इसका असर पड़ता है। कभी-कभी हमारे व्यवहार से हमारी किस्मत पूरी बदल सकती है।

वाणी-

वाणी का संबंध हमारे पारिवारिक जीवन और आर्थिक समृद्धि से होता है।
ख़राब वाणी से हमें जीवन में आर्थिक नुक्सान उठाना पड़ता है।
कभी-कभी आकस्मिक दुर्घटनाएं घट जाती हैं।
कभी-कभी कम उम्र में ही बड़ी बीमारी हो जाती है।
वाणी को अच्छा रखने के लिए सूर्य को जल देना लाभकारी होता है।
गायत्री मंत्र के जाप से भी शीघ्र फायदा होता है।

आचरण-कर्म

हमारे आचरण और कर्मों का संबंध हमारे रोजगार से है।
अगर कर्म और आचरण शुद्ध न हों तो रोजगार में समस्या होती है।
व्यक्ति जीवन भर भटकता रहता है।
साथ ही कभी भी स्थिर नहीं हो पाता।
आचरण जैसे-जैसे सुधरने लगता है, वैसे-वैसे रोजगार की समस्या दूर होती जाती है।
आचरण की शुद्धि के लिए प्रातः और सायंकाल ध्यान करें।
इसमें भी शिव जी की उपासना से अद्भुत लाभ होता है।

जिम्मेदारियों की अवहेलना

जिम्मेदारियों से हमारे जीवन की बाधाओं का संबंध होता है।
जो लोग अपनी जिम्मेदारियां ठीक से नहीं उठाते हैं उन्हें जीवन में बड़े संकटों, जैसे मुक़दमे और कर्ज का सामना करना पड़ता है।
व्यक्ति फिर अपनी समस्याओं में ही उलझ कर रह जाता है।
अपनी जिम्मेदारियों को निभाने में कोताही न करें।
एकादशी का व्रत रखने से यह भाव बेहतर होता है।
साथ ही पौधों में जल देने से भी लाभ होता है।

सहायता न करना-

अगर सक्षम होने के बावजूद आप किसी की सहायता नहीं करते हैं तो आपको जीवन में मानसिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।
कभी न कभी आप जीवन में अकेलेपन के शिकार हो सकते हैं।
जितना लोगों की सहायता करेंगे, उतना ही आपको ईश्वर की कृपा का अनुभव होगा।
आप कभी भी मन से कमजोर नहीं होंगे।
दिन भर में कुछ समय ईमानदारी से ईश्वर के लिए जरूर निकालें।
इससे करुणा भाव प्रबल होगा, भाग्य चमक उठेगा।

भगवान राम के आलौकिक कार्य

हिंदू धर्म में भगवान राम को विष्णु का अवतार माना गया है। इनके बारे में कई ग्रंथ लिखे गए। रामचरितमानस में भगवान राम की महिमा को जो वर्णन मिलता है। वह सभी के दिलों को छू लेता है। क्या आप जानते हैं विष्णु जी के सातवें अवतार श्री राम ने मर्यादा की स्थापना और अपनी मां कैकेयी की इच्छापूर्ति के लिए राजगद्दी छोड़ दी थी और वनवास स्वीकार किया था। इसलिए ही श्री राम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है।

श्री राम के जीवनकाल को महर्षि वाल्मीकि ने संस्कृत महाकाव्य रामयण में वर्णित किया है। राम पर तुलसीदास ने भी रामचरितमानस रचा है। राम के अलौकिक कार्यों को वाल्मीकि ने रामायण महाकाव्य में संस्कृत में वर्णित किया, जिसे तुलसीदासजी ने रामचरितमानस नाम से अवधि में रचा।

कहा जाता है कि भगवान राम का जन्म मनु के 10 पुत्रों में से एक पुत्र इक्ष्वाकु के कुल में हुआ था।

चैत्र नवमी को भगवान राम का जन्म अयोध्या में हुआ था। इसी उपलक्ष्य में चैत्र नवमी को रामनवमी के रूप में भी जाना जाता है।

ऐसा भी कहा जाता है कि माता सीता की रावण से रक्षा करने जाते समय रास्ते में आए समुद्र को पार करने के लिए भगवान राम ने एकादशी का व्रत किया था।

माना जाता है कि भगवान राम ने रावण को युद्ध में परास्त करने के बाद रावण के छोटे भाई विभीषण को लंका का राजा बना दिया था।

पुराणों में कहा गया है कि माता कैकेयी के कहे अनुसार वनवास जाते समय भगवान राम की आयु 27 वर्ष थी.

राम-रावण के युद्ध के समय इंद्र देवता ने श्री राम के लिए दिव्य रथ भेजा था। इसी में बैठकर भगवान राम ने रावण का वध किया था।

राम-रावण का युद्ध खत्म न होने पर अगस्त्य मुनि ने राम से आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करने को कहा था।

अरण्य नामक राजा ने रावण को श्राप दिया था कि मेरे वंश से उत्पन्न युवक तेरी मृत्यु का कारण बनेगा। इन्ही के वंश में श्री राम ने जन्म लिया था। यह भी कहा जाता है कि गौतम ऋषि ने अपनी पत्नी अहिल्या को पत्थर बनने का श्राप दिया था. इस श्राप से उन्हें भगवान राम ने ही मुक्ति दिलाई थी।

हथेली से जानें व्यक्ति का स्वभाव

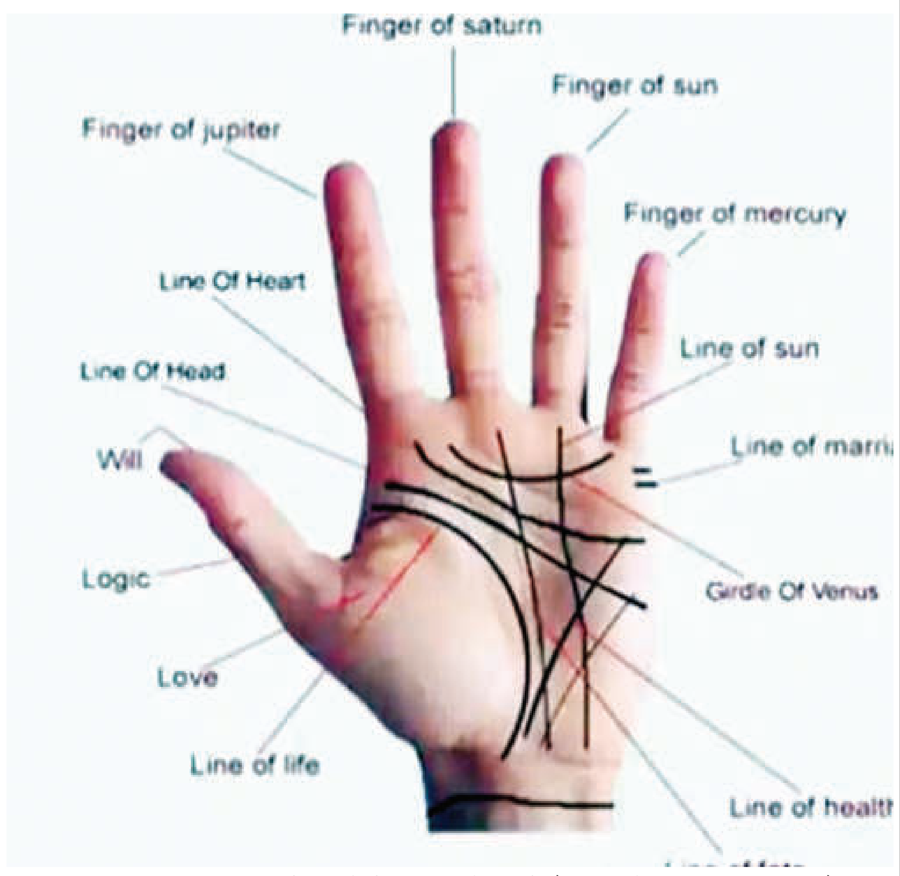

आप किसी भी व्यक्ति की हथेली को देखकर जान सकते हैं कि वह इंसान क्रोधी स्वभाव का है या फिर शांत यानि मृदु स्वभाव का है। इसको जानने से पहले आपको हथेली को ध्यान से देखना होगा, इसके लिए कुछ बात का ध्यान रखना होगा।

ऐसी हथेली वाले होते हैं गुस्सैल

अपने किसी भी हाथ की हथेली को सामने की ओर सीधा खोलकर रख लें। अब आप अपनी तर्जनी अंगुली यानि अंगूठे के बाद वाली अंगुली और अंगुठे को ध्यान से देखें।

यदि आपका अंगूठा तर्जनी अंगुली के मूल भाग के बराबरी पर आता है तो आप गुस्सैल स्वाभाव के हो सकते हैं। आपको जल्दी गुस्सा आता है। आप छोटी छोटी बातों पर गुस्सा होने वाले व्यक्ति हो सकते हैं।

ऐसी हथेली वाले होते हैं शांत स्वभाव वाले

यदि आपका अंगूठा तर्जनी अंगूली के मूल भाग से आगे तक जाता है तो आप शांत यानि मृदु स्वभाव के हो सकते हैं। आप प्रायः शांत रहने वाले व्यक्ति हो सकते हैं। आप छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा नहीं होते है। गुस्सा आता भी है तो जल्द ही खत्म भी हो जाता है।

बेड के नीचे ज्यादा सामान रखना बढ़ाता है नकारात्मकता

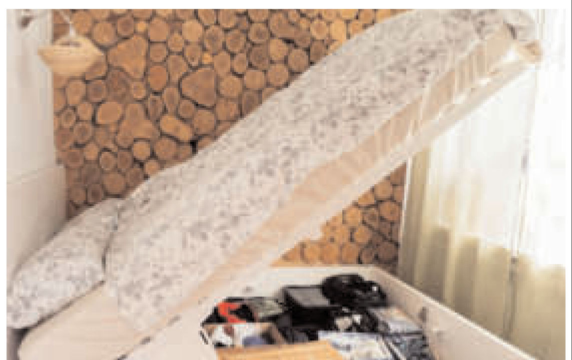

बेडरूम ऐसी जगह मानी जाती है जहां व्यक्ति दिनभर की थकान के बाद आराम करता है, इसलिए यहां की व्यवस्था और वस्तुओं का सही स्थान बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। यदि बेड या उसके आसपास कुछ चीजों को गलत तरीके से रखा जाता है तो इससे नकारात्मक ऊर्जा बढ़ने की संभावना रहती है, जिसका असर मानसिक शांति और जीवन की संतुलित स्थिति पर पड़ सकता है। कई लोग कमरे को व्यवस्थित दिखाने के लिए बेड के नीचे अलग-अलग सामान रख देते हैं, लेकिन वास्तु शास्त्र में इसे उचित नहीं माना गया है। माना जाता है कि बेड के नीचे ज्यादा सामान रखने से ऊर्जा का प्रवाह प्रभावित होता है। खासतौर पर लोहे से बनी वस्तुओं को बेड के नीचे रखने से बचना चाहिए। ऐसी वस्तुएं जो लंबे समय तक उपयोग में नहीं आतीं, उन्हें बेड के नीचे जमा कर देने से वातावरण में नकारात्मकता बढ़ सकती है।

झाड़ू को भी बेड के नीचे रखना उचित नहीं माना जाता है। वास्तु मान्यताओं के अनुसार इससे घर के वातावरण और स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए झाड़ू को हमेशा निर्धारित स्थान पर ही रखना बेहतर माना जाता है।

इसी तरह सोने-चांदी के आभूषण भी बेड के नीचे नहीं रखने चाहिए। वास्तु शास्त्र में इसे शुभ नहीं माना जाता और ऐसा करने से आर्थिक स्थिति पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की मान्यता है।

अक्सर लोग पढ़ते-पढ़ते किताबें या अन्य चीजें बेड पर ही छोड़ देते हैं, लेकिन वास्तु के अनुसार ऐसा करना उचित नहीं माना जाता। बेड को हमेशा साफ और व्यवस्थित रखना चाहिए। माना जाता है कि बेड पर अनावश्यक वस्तुएं छोड़ने से मानसिक अशांति और नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बढ़ सकता है।

सोने वाले स्थान के आसपास भी कुछ चीजों को रखने से बचना चाहिए। जूते-चप्पल को बेड के पास रखना वास्तु की दृष्टि से सही नहीं माना जाता। इन्हें हमेशा कमरे के निर्धारित स्थान पर ही रखना बेहतर होता है।

इसी तरह कई लोग रात में सुविधा के लिए पानी की बोतल बेड के बिल्कुल पास रख लेते हैं, लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार इसे थोड़ी दूरी पर रखना अधिक उचित माना जाता है। इसके अलावा घड़ी, लैपटॉप या अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को भी बेड पर या उसके आसपास छोड़ना सही नहीं माना जाता, क्योंकि इससे विश्राम के वातावरण पर असर पड़ सकता है।

वास्तु शास्त्र में बेडरूम और उसमें रखे बेड की दिशा को भी महत्वपूर्ण माना गया है। मान्यता है कि यदि बेड सही दिशा में रखा हो तो घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बेहतर बना रहता है। वास्तु नियमों के अनुसार बेडरूम का स्थान उत्तर-पश्चिम या दक्षिण-पश्चिम दिशा में होना शुभ माना जाता है। वहीं बेड को इस प्रकार रखना उचित माना जाता है कि सोते समय सिर की दिशा दक्षिण या पूर्व की ओर हो।

उत्तराखंड के इस प्राचीन काली मंदिर का है अपना अलग महत्व

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में पर्वतों के बीच कालापानी का प्राचीन काली मंदिर बना हुआ है। कहा जाता है कि यहीं से काली नदी की शुरुआत होती है। लोगों की मान्यता है कि मंदिर के पास बहने वाली एक छोटी सी पवित्र धारा ही आगे चलकर काली नदी का रूप ले लेती है। यही काली नदी आगे जाकर भारत और नेपाल के बीच प्राकृतिक सीमा भी बनाती है। मंदिर परिसर में बहते इस जल को लोग देवी काली का आशीर्वाद मानते हैं और श्रद्धा के साथ इसे अपने साथ ले जाते हैं।

कालापानी का यह काली मंदिर आदि कैलाश और ओम पर्वत की यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक अहम पड़ाव भी है। जो भी यात्री इस दुर्गम और दिव्य यात्रा पर निकलते हैं, वे यहां रुककर माता काली के दर्शन जरूर करते हैं और आगे की यात्रा के लिए आशीर्वाद लेते हैं। चारों तरफ फैली बर्फ से ढकी हिमालय की चोटियां, ठंडी हवाएं और शांत वातावरण इस जगह को और भी विशेष बना देते हैं। मंदिर के पास ही व्यास गुफा भी स्थित है।

मान्यता है कि महान ऋषि वेद व्यास ने इसी गुफा में बैठकर कठोर तपस्या की थी और यहीं से उन्होंने ज्ञान की अलौकिक रोशनी से मानवता को मार्ग दिखाया। इसी कारण यह स्थान सिर्फ एक मंदिर नहीं, बल्कि एक पवित्र तपोभूमि भी माना जाता है। मान्यता है कि यह जगह पांडवों की कथाओं से भी जुड़ी हुई है। माना जाता है कि अपने वनवास के दौरान पांडवों ने इस क्षेत्र में कुछ समय बिताया था। आसपास के कई स्थानों के नाम जैसे भीम शिला और युधिष्ठिर मार्ग इन्हीं कथाओं से जुड़े बताए जाते हैं। इस क्षेत्र में रहने वाला भोटिया समुदाय काली माता को अपना रक्षक देवता मानता है। उनका विश्वास है कि माता काली इस पूरी घाटी की रक्षा करती हैं और सच्चे मन से आने वाले यात्रियों की यात्रा सुरक्षित बनाती हैं।हालांकि कालापानी तक पहुंचना आसान नहीं है। यात्रियों को धारचूला से कठिन पहाड़ी रास्तों से गुजरना पड़ता है।

खेल समाचार

संक्षिप्त समाचार

पाक गेंदबाज का दावा, बुमराह को मैंने सिखाई धीमी गेंद

दुबई। पाकिस्तानी मूल के यूएई के एक गेंदबाज जहूर खान ने दावा किया है कि भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने धीमी गेंदें फेंकना उनसे सीखा है। : अपने इस दावे के बाद से ही जहूर सोशल मीडिया पर छाये हुए हैं। इस गेंदबाज के अनुसार बुमराह का एक्शन भी इसी कारण उनके जैसा ही है। इस गेंदबाज के अनुसार इस प्रकार की गेंदबाजी देखकर ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर शेन वॉर्न भी हैरान हो गये थे। टी20 विश्वकप में बुमराह की जबरदस्त गेंदबाजी के बाद जहूर को ये वीडियो पुराना है एक बार फिर से सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। ये वायरल वीडियो 2023 के एकदिवीसय विश्व कप के कुछ समय बाद का लग रहा है क्योंकि उसमें उन्होंने भारत में हुए विश्व कप में मोहम्मद रिजवान को धीमी गेंद पर बुमराह के बोल्ड करने की भी बात कही है। वीडियो क्लिप में जहूर खान कहते हैं, 'बुमराह जो धीमी गेंद करता था न पहले सामान्य करता था।

जय शाह ने दिया था मुझे मुख्य कोच बनने का प्रस्ताव : गंभीर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर अपने अलग अंदाज के लिए जाने जाते है। उनके मुख्य कोच बनने के बाद से ही टीम ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी, एशिया कप और टी20 विश्वकप जीता है। गंभीर हालांकि टेस्ट प्रारुप में टीम को सफलता नहीं दिला पाये। इसके कारण वह आलोचकों के निशाने पर भी रहे हैं। गंभीर का कहना है कि उन्हें कोचिंग को कोई अनुभव नहीं था पर तत्कालीन बीसीसीआई सचिव जय शाह ने उन्हें मुख्य कोच बनने का प्रस्तान दिया था जिसके लिए वह मना नहीं कर पाये हालांकि इससे पहले उन्होंने अपने परिवार और पत्नी से बात की थी।

आईसीसी रैंकिंग में भारत की मंधाना नंबर एक पर बरकरार

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी स्मृति मंधाना शीर्ष पर बनी हुई है। मंधाना हाल में ऑस्ट्रेलिया दौरे में अपने शानदार प्रदर्शन से नंबर एक स्थान पर बरकरार हैं। वहीं भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर आठवें स्थान पर हैं पर जेमीमा रोड्रिग्स एक स्थान नीचे आकर 12वें स्थान पर फिसल गयी हैं। हाल में जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज में अच्छे प्रदर्शन के कारण न्यूजीलैंड की ऑलरांउडर अमेलिया केर गेंदबाजी रैंकिंग में पांच स्थान के लाभ के साथ ही 11वें स्थान पर आ गयी हैं जबकि ऑलराउंडर की सूची में भी एक स्थान के लाभ के साथ ही पांचवें नंबर पर आ गयी है।

28 मार्च को बेंगलुरु में आरसीबी-एसआरएच का ओपनिंग मैच

आईपीएल के शुरुआती 20 मैच का शेड्यूल जारी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

आईपीएल 2026 के शुरुआती 20 मैचों का शेड्यूल बुधवार को जारी कर दिया गया है। ओपनिंग मैच 28 मार्च को डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा। यह मुकाबला बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा। इसी मैदान में पिछले साल 4 जून को आरसीबी के पहले टाइटल जीतने के बाद हुई विक्ट्री परेड के दौरान भगदड़ मच गई थी और इसमें 11 लोगों की मौत हो गई थी।

आईपीएल 2026 के पहले फेज में 16 दिन में 20 मैच खेले जाएंगे। इनमें 4 डबल हेडर शामिल हैं। 5 बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस 29 मार्च को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ अपने होम ग्राउंड वानखेड़े स्टेडियम में अपना पहला मैच खेलेगी। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स 30 मार्च को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ गुवाहाटी में अपने अभियान की शुरुआत करेगी। ऋतुराज गायकवाड की कप्तानी वाली टीम में संजू सैमसन पहली बार खेलते दिखेंगे। वे टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे।

दूसरे फेज का शेड्यूल चुनाव तारीखों के ऐलान के बाद जारी होगा: आईपीएल के दूसरे फेज का शेड्यूल 5 राज्यों में होने वाले चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद जारी किया जाएगा। 2008 में टूर्नामेंट शुरू होने के बाद जब भी देश में आम चुनाव (2009, 2014, 2019 और 2024) या किसी राज्य में विधानसभा चुनाव हुए हैं, तब टूर्नामेंट का शेड्यूल दो हिस्सों में जारी किया गया है।

2 दिन टली ओपनिंग: देश के 5 राज्यों में चुनाव के कारण आईपीएल के ओपनिंग मैच को 2 दिन बढ़ाया गया है। पहले लीग की शुरुआत 26 मार्च को होनी थी, लेकिन अब लीग 28 मार्च को होगी। विधानसभा चुनाव वाले राज्यों में 4 ऐसे प्रमुख स्टेडियम हैं। जहां आईपीएल के मैच होने हैं। तमिलनाडु के चेन्नई स्थित एमए चिदंबरम स्टेडियम (चेपॉक) चेन्नई सुपर किंग्स का होम ग्राउंड है। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में स्थित ईडन गार्डन्स कोलकाता नाइट राइडर्स का घरेलू मैदान है, जबकि असम के गुवाहाटी में बना बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम राजस्थान रॉयल्स का सेकेंड होम वेन्यू रहा है।

आरसीबी ने जीता था पिछले सीजन का खिताब: बेंगलुरु की टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु डिफेंडिंग चैंपियन है, इसलिए परंपरा के अनुसार टूर्नामेंट का ओपनिंग मैच, क्वालिफायर-2 और फाइनल मुकाबला उसी के होमग्राउंड एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में रखा गया है। आरसीबी ने पिछले सीजन के फाइनल में पंजाब किंग्स को 6 रन से हराकर पहली बार आईपीएल खिताब जीता था।

विक्ट्री परेड में 11 लोगों की जान गई थी: 4 जून 2025 को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी की आईपीएल जीत का जश्न मनाते समय भारी भीड़ के कारण मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई और 33 से अधिक लोग घायल हो गए। आरसीबी ने आईपीएल इतिहास में पहली बार इंडियन प्रीमियर लीग का टाइटल जीता था। आरसीबी के आईपीएल विक्ट्री सेलिब्रेशन में 11 फैंस की मौत हो गई थी।

पूरा सीजन खेलेंगे धोनी:सीएलके सीईओ बोले- उनकी भूमिका पर फैसला कोचिंग स्टाफ करेगा, ट्रेनिंग शुरू की भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी आईपीएल 2026 में पूरा सीजन खेलेंगे। चेन्नई सुपर किंग्स के सीईओ काशी विश्वनाथन ने बुधवार को इसकी पुष्टि की। हालांकि उन्होंने कहा कि टीम में धोनी की भूमिका क्या होगी, इसका फैसला कोचिंग स्टाफ करेगा।

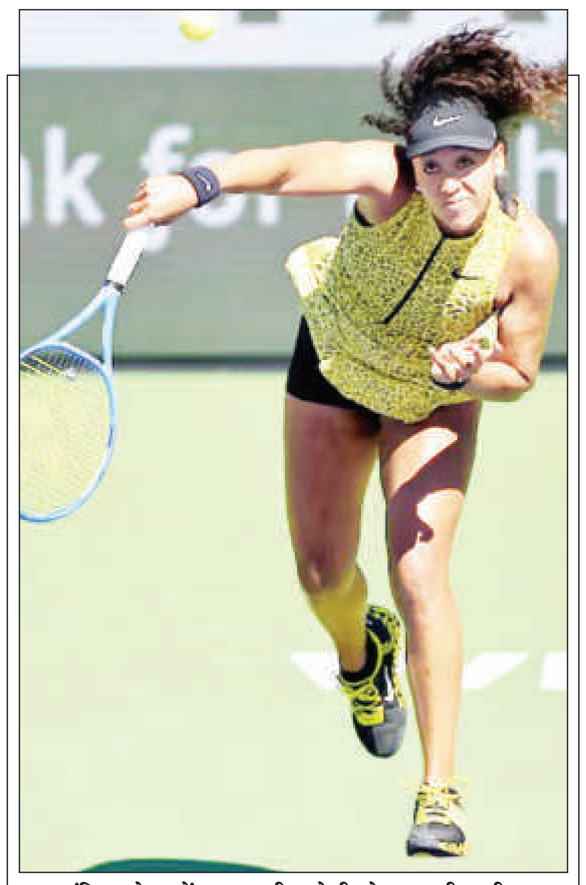

इंडियन वेल्स में जापान की नओमी ओसाका बीएनपीए परिबास ओपन टेनिस में खेलती हुई।

इंदौर में राज्य स्तरीय वालीबॉल 22 मार्च को

सीटीसी वालीबॉल क्लब के आयोजन में प्रदेश भर की दिग्गज टीमें दिखाएंगी अपना दमखम

इंदौर ■ निसं

खेलों के प्रति उत्साही इंदौर शहर में एक बार फिर वालीबॉल का शानदार मुकाबला देखने को मिलेगा। किला मैदान रोड स्थित सीटीसी वालीबॉल क्लब के मैदान पर आगामी रविवार, 22 मार्च को एक दिवसीय राज्य स्तरीय वालीबॉल प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इस भव्य आयोजन में मध्य प्रदेश की कई नामी टीमें हिस्सा लेंगी, जिससे खेल प्रेमियों को उच्च स्तरीय मुकाबले देखने का अवसर मिलेगा।

स्पर्धा सचिव नरेश दुबे ने बताया कि इस प्रतियोगिता में इंदौर और भोपाल की टीमों के साथ-साथ देवास, धार, झाबुआ, उज्जैन और पालिया की टीमें भी अपना कौशल दिखाएंगी। इसके अलावा ब्रदर्स क्लब और एमटीएच जैसी प्रतिष्ठित टीमें भी खिताब जीतने के इरादे से मैदान में उतरेंगी। पूरी प्रतियोगिता डायरेक्ट फिक्स पद्धति से खेली जाएगी, जिसमें हारने वाली टीम सीधे बाहर हो जाएगी और जीतने वाली आगे बढ़ेगी।

खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए आयोजकों ने नकद पुरस्कार और ट्रॉफी की घोषणा की है। विजेता और उपविजेता टीमों के साथ-साथ तीसरे स्थान पर रहने वाली हार्डलाइन टीम को भी पुरस्कृत किया जाएगा। जो टीमें इस स्पर्धा में भाग लेना चाहती हैं, वे मरीमाता चौराहा स्थित विशाल टेलर्स पर श्री गोवर्धन रघुवंशी से उनके मोबाइल नंबर 9301651407 पर संपर्क कर अपनी एंट्री दर्ज करा सकती हैं। आयोजन को सफल बनाने के लिए क्लब ग्राउंड पर विशेष तैयारियां की जा रही हैं।

टी-20 वर्ल्डकप के बाद आईसीसी की पहली रैंकिंग

अभिषेक नंबर-1, ईशान किशन नंबर-2 बैटर, हाईएस्ट विकेट टेकर वरुण पहले स्थान से फिसले

दुबई ■ एजेंसी

टी-20 वर्ल्ड कप के बाद आईसीसी ने बुधवार को अपनी ताजा रैंकिंग जारी कर दी है। इसमें सबसे ज्यादा बदलाव टी-20 रैंकिंग में हुए हैं। भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा और ईशान किशन टी20 के बैटर्स की रैंकिंग में टॉप-2 पोजिशन पर हैं।

अभिषेक शर्मा 875 रेटिंग अंक के साथ नंबर-1 पर बने हुए हैं। उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ तेज अर्धशतक लगाया था। ईशान किशन 871 अंक के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने टूर्नामेंट में 317 रन बनाए। ईशान ने दो स्थान की छलांग लगाई।

8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टी-20 वर्ल्ड कप का फाइनल मैच खेला गया था। इसमें भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रन के अंतर से हराया और अपना टाइटल डिफेंड किया था। टीम इंडिया ने तीसरी बार यह टूर्नामेंट जीता था।

टॉप-10 बैटर्स में 4 भारतीय शामिल टॉप-10 टी-20 बैटर्स की लिस्ट में 4 भारतीय शामिल हैं। इनमें अभिषेक नंबर-1, ईशान नंबर-2, तिलक वर्मा नंबर-7 और सूर्यकुमार यादव नंबर-9 पर हैं। तिलक वर्मा को एक और सूर्या को दो स्थान का नुकसान हुआ है। न्यूजीलैंड के टिम साइफर्ट चार स्थान ऊपर चढ़कर छठे नंबर पर पहुंच गए हैं, जबकि इंग्लैंड के जैकब बेथेल 17 स्थान ऊपर आकर 16वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

वरुण नंबर-2 पर आए, राशिद बॉलर्स में टॉप पर आए गेंदबाजी रैंकिंग में अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान 753 अंक के साथ नंबर-1 बन गए हैं। भारत के वरुण चक्रवर्ती 740 अंक के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। जसप्रीत बुमराह एक स्थान ऊपर चढ़कर छठे नंबर पर पहुंच गए हैं। वरुण और बुमराह 14-14 विकेट लेकर टी-20 वर्ल्ड कप के टॉप विकेट टेकर्स रहे हैं।

अक्षर पटेल 17वें, हार्दिक पंड्या 46वें और साउथ अफ्रीका के कगिसो रबाडा 50वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के आदिल राशिद चौथे स्थान पर हैं।

ऑलराउंडर्स में पंड्या दूसरे नंबर पर ऑलराउंडर रैंकिंग में जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा पहले और भारत के हार्दिक पांड्या दूसरे स्थान पर हैं।

व्यापार समाचार

अमेरिका ने किया 300 अरब डॉलर की डील का ऐलान

नई दिल्ली। मीडिल ईस्ट में युद्ध के माहौल के बीच डोनाल्ड ट्रंप ने करीब 300 अरब डॉलर की मेगा डील का ऐलान किया है, जिसमें भारत की दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज साझेदार के रूप में शामिल होगी। यह निवेश टेक्सास में बनने वाली एक विशाल ऑयल रिफाइनरी परियोजना से जुड़ा है। ट्रंप ने इसे ऐतिहासिक डील बताते हुए कहा कि यह निवेश अमेरिकी ऊर्जा ढांचे को मजबूत करेगा और हजारों नई नौकरियां पैदा करेगा। ट्रंप ने कहा कि यह रिफाइनरी अमेरिका फर्स्ट रिफिनिंग द्वारा टेक्सास के ब्राउनस्विल बंदरगाह पर लगाई जाएगी। उनका कहना है कि यह पिछले करीब 50 सालों में अमेरिका में बनने वाली पहली नई ऑयल रिफाइनरी हो सकती है। यह परियोजना देश की रिफाइनिंग क्षमता बढ़ाने और ऊर्जा अवसंरचना को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगी। हालांकि फिलहाल इस निवेश की फंडिंग और वित्तीय संरचना को लेकर विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। अमेरिका टेक्सास के ब्राउन्सविल में नए तेल रिफाइनरी खुलेगी, 50 सालों में पहली होगी।

एसएआईएल के शेयर का टारगेट प्राइस 200 रुपए तय

नई दिल्ली। सरकारी स्टील कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के शेयर को लेकर ब्रोकरेज फर्म आईसीआईसीआई डायरेक्ट काफी उत्साहित हैं। ब्रोकरेज का कहना है कि कंपनी को आगे मजबूत मांग और सरकारी नीतियों का लाभ मिल सकता है। इसलिए ब्रोकरेज ने इस शेयर को खरीदने की सलाह दी है। ब्रोकरेज ने एसएआईएल के शेयर के लिए 200 रुपए का टारगेट प्राइस तय किया है। मौजूदा कीमत के मुकाबले इसमें करीब 33फीसदी तक बढ़त की संभावना है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर एसएआईएल का शेयर पिछली ट्रेडिंग में 150.15 रुपए पर बंद हुआ था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आईसीआईसीआई डायरेक्ट का कहना है कि आने वाले सालों में भारत में स्टील की मांग बढ़ सकती है। इसका फायदा एसएआईएल जैसी स्टील कंपनियों को मिल सकता है। भारत आज तैयार स्टील का दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है, लेकिन यहां प्रति व्यक्ति स्टील का इस्तेमाल अभी भी कम है। भारत में एक व्यक्ति औसतन करीब 103 किलोग्राम स्टील इस्तेमाल करता है, जबकि दुनिया का औसत करीब 215 किलोग्राम है। सरकार का लक्ष्य है कि वित्त वर्ष 2031 तक कच्चे स्टील की क्षमता 300 मिलियन टन तक पहुंचाई जाए और प्रति व्यक्ति इस्तेमाल को 160 किलोग्राम तक बढ़ाया जाए। ऐसे में आने वाले समय में देश में स्टील की मांग बढ़ने की उम्मीद है।

पश्चिम एशिया में तनाव से बाजार पर दबाव

सेंसेक्स 976 अंक टूटा, निफ्टी 24000 के नीचे

नई दिल्ली ■ एजेंसी

हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन यानी बुधवार को शेयर बाजार गिरावट के साथ खुला। वहीं पिछले दिन मंगलवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 639.82 अंक उछलकर 78,205.98 अंक पर बंद हुआ था, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 233.55 अंक की बढ़त के साथ 24,261.60 पर बंद हुआ था।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव और विदेशी निधियों की निरंतर निकासी के बीच एक दिन की राहत के बाद बुधवार को शुरुआती कारोबार में बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। ब्लू-चिप बैंक शेयरों में बिकवाली के कारण भी बाजार में गिरावट आई। शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 4 पैसे गिरकर 91.89 पर आ गया। सेंसेक्स 11:50 तक 975.74 अंक या 1.25% टूटकर 77,230.24 अंक पर आ गया। वहीं निफ्टी 267.75 अंक या 1.10% गिरकर 23,993.85 अंक पर आ गया।

शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 96.12 अंक गिरकर 78,109.86 पर आ गया। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 22.95 अंक गिरकर 24,238.65 पर पहुंच गया।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल: सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर और बजाज फिनसर्व प्रमुख पिछड़ने वाली कंपनियों में शामिल थीं। इंटरग्लोब एविएशन, अदानी पोर्ट्स, टाटा स्टील और एनटीपीसी लाभ कमाने वाली कंपनियों में शामिल थीं।

बाजार में सतर्कता बनी हुई है: ऑनलाइन ट्रेडिंग और वेल्थ टेक फर्म एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा कि हालांकि मंगलवार को शेयर बाजारों में तकनीकी रूप से सुधार देखने को मिला, लेकिन अंतर्निहित भावना सतर्कता बनी हुई है क्योंकि पश्चिम एशिया में गहराता संकट ऊर्जा की बढ़ती कीमतों, प्रमुख शिपिंग मार्गों में व्यवधान और निवेशकों की जोखिम लेने की प्रवृत्ति में बदलाव के माध्यम से वैश्विक वित्तीय बाजारों को प्रभावित करना शुरू कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि इक्विटी बाजार के दृष्टिकोण से, इस तरह की भू-राजनीतिक उथल-पुथल से अस्थिरता के तीव्र दौर उत्पन्न होते हैं क्योंकि वैश्विक निवेशक सुरक्षित संपत्तियों की ओर रुख करते हैं और जोखिम-संवेदनशील बाजारों में अपना जोखिम कम करते हैं। लिवेलॉन्ग वेल्थ के रिसर्च एनालिस्ट और संस्थापक हरिप्रसाद के ने कहा कि वैश्विक संकेत मिले-जुले बने हुए हैं क्योंकि निवेशक पश्चिम एशिया में हो रहे घटनाक्रमों और कच्चे तेल की कीमतों में हो रहे तीव्र उतार-चढ़ाव पर बारीकी से नजर रख रहे हैं।

एशियाई बाजारों में दिखी तेजी: एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक 3 प्रतिशत से अधिक चढ़ गया, जबकि जापान का निक्केई 225 सूचकांक 2.5 प्रतिशत ऊपर कारोबार कर रहा था। शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक भी सकारात्मक दायरे में थे। अमेरिकी बाजार मंगलवार को स्थिर रुख के साथ बंद हुआ।

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 87.46 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा: वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड में 0.39 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 87.46 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। बाजार विनिमय आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 4,672.64 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 6,333.26 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। मंगलवार को सेंसेक्स 639.82 अंक या 0.82 प्रतिशत बढ़कर 78,205.98 पर बंद हुआ।

डाबर वाटिका का नया अभियान- 'वाटिका आई एम मोर

नई दिल्ली ■ एजेंसी

डाबर वाटिका ने 'वाटिका आई एम मोर' नाम से एक नई और प्रभावशाली मुहिम शुरू की है, जिसका उद्देश्य महिलाओं की उपलब्धियों को कम आंकने वाली भाषा को चुनौती देना है। अक्सर महिलाओं की पहचान उनकी योग्यता के बजाय उनके जेंडर के आधार पर की जाती है, जैसे: महिला क्रिकेटर, महिला सीईओ या महिला अभिनेत्री। इसके अलावा, उनकी सफलता को अक्सर 'सिर्फ' शब्द से जोड़ा जाता है-जैसे कि वह 'सिर्फ' भाग्यशाली थीं या 'सिर्फ' भावुक थीं। 'वाटिका आई एम मोर' इन शब्दों को हटाकर एक ऐसी नई सोच बनाना चाहता है, जहाँ महिलाओं के साहस और उनकी बहुमुखी पहचान का सम्मान हो।

डाबर इंडिया लिमिटेड के मार्केटिंग हेड (हेयर केयर), अंकुर कुमार ने कहा: 'वाटिका में हमारा हमेशा से मानना रहा है कि एक महिला की पहचान बहुत गहरी और बहुआयामी होती है। यह अभियान उन बंदिशों के खिलाफ खड़ा होने का हमारा तरीका है, जिनमें समाज महिलाओं को बांधने की कोशिश करता है। हम एक ऐसी वैश्विक चर्चा शुरू करना चाहते हैं जो 'सिर्फ' शब्द से आगे बढ़े- क्योंकि एक महिला 'सिर्फ' कुछ नहीं होती; वह प्रकृति की एक शक्ति, एक लीडर और एक निर्माता है।' यह अभियान एक मर्मस्पर्शी फिल्म के इर्द-गिर्द केंद्रित है, जो दिखाती है कि भाषा कैसे हमारी सोच को बदलती है। फिल्म यह दर्शाती है कि कैसे एक छोटा सा शब्द सालों की कड़ी मेहनत को कम कर सकता है। इसके जरिए महिलाओं को अपनी पहचान वापस पाने और यह घोषित करने के लिए प्रेरित किया गया है कि वे समाज द्वारा थोपे गए लेबल से कहीं बढ़कर हैं।

हावास क्रिएटिव इंडिया की चीफ क्रिएटिव ऑफिसर और मैनेजिंग डायरेक्टर, अनुपमा रामास्वामी ने कहा: 'भाषा समाज के भेदभाव का आईना है। सालों से मैं देख रही हूँ कि कैसे 'महिला' जैसे शब्द उपलब्धियों के आगे लग जाते हैं, जिससे ध्यान योग्यता से हटकर जेंडर पर चला जाता है।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने भारत की पहली डी प्लस एसयूवीं एमजी मैजिस्टर के लिए पेश किया यूनीक 5-5-5 प्रोग्राम

गुरूग्राम ■ एजेंसी

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने अपनी डी प्लस एसयूवीं एमजी मैजिस्टर के लिए यूनीक 5-5-5 ओनरशिप प्रोग्राम लॉन्च कर कस्टमर्स को लॉन्ग-टर्म ओनरशिप का भरोसा दिया है। इस सेग्मेंट में जहां कस्टमर्स परफॉर्मेंस, साइज और एडवांस्ड टेक्नोलॉजी में निवेश किया गया है वहीं 5-5-5 प्रोग्राम को रनिंग कॉस्ट और नेशन वाइड सपोर्ट को ध्यान में रखते हुए एक शानदार ओनरशिप एक्सपीरियंस और लंबे समय तक लागत का सही अनुमान देने के लिए डिजाइन किया गया है।

स्टैंडअलोन वारंटी एक्सटेंशन या ऑप्शनल सर्विस पैकेजेज से अलग, 5-5-5 प्रपोजल मैजिस्टर कस्टमर्स के लिए 5 साल की अनलिमिटेड किलोमीटर वारंटी, 5 साल की फ्री रोडसाइड असिस्टेंस और 5 लेबर-फ्री सर्विसेज को एक यूनिफाइड, स्टैंडर्ड ऑफरिंग के रूप में पेश करता है। कस्टमर्स के लिए इसका मतलब है वारंटी कवरेज पर कोई किलोमीटर कैप नहीं। पूरे पांच साल पूरे देश में ब्रेकडाउन सपोर्ट, और ओनरशिप के शुरुआती सालों में कम सर्विस लागत। हाई-माइलेज यूजर्स, लॉन्ग-डिस्टेंस ट्रैवलर्स और ऑफ-रोड शौकीनों के लिए, यह खर्चे का सही आकलन करने की क्षमता और कम्प्लीट पीस ऑफ माइंड देता है।

इस विषय में जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के चीफ कमर्शियल ऑफिसर, विनय रैना ने कहा, 'एमजी मैजिस्टर को एक ऐसी एसयूवीं के रूप में बनाया गया है जो अपनी क्षमता में मजबूत, अपने कम्फर्ट में परिष्कृत और अपनी इंजीनियरिंग में भरोसेमंद है। हमारे लिए एक मजबूत प्रोडक्ट देना कमिटमेंट का सिर्फ एक हिस्सा था साथ ही ओनरशिप में कम्प्लीट पीस ऑफ माइंड सुनिश्चित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण था। 5-5-5 प्रोग्राम के साथ, हमने पहले दिन से ही प्रपोजल में स्ट्रक्चर्ड, लॉन्ग-टर्म अश्योरेंस को शामिल कर दिया है। यह हमारी कस्टमर-फर्स्ट फिलॉसफी और इंडियन कंडीशंस और यूसेज पैटर्न के लिए इंजीनियर की गई फुल-साइज एसयूवीं के रूप में मैजिस्टर में हमारे विश्वास का परिचायक है।'

2.0-लीटर ट्विन-टर्बो डीजल इंजन से पावर्ड यह बेस्ट-इन-सेग्मेंट 215.5 PS और 478.5 Nm का टॉर्क जनरेट करता है।

कार्यालय मुख्य अभियंता (भवन)
लोक निर्माण विभाग, निर्माण भवन, प्लाट नं.-27-28, अरेरा हिल्स, भोपाल

एनआईटी नं.- 06/2026/निविदा/सा/मु.अ.भ./ भोपाल दिनांक 02.03.2026

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

स.क्र.	पोर्टल टैंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु.में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2026_PWPIU_487285_1	कंस्ट्रक्शन आफ फर्स्ट फ्लौर आफ लॉ कॉलेज एट नर्मदापुरम (तृतीय आमंत्रण)	नर्मदापुरम	510.91	510910	20000	15 माह वर्षाकाल सहित
2	2026_PWPIU_487454_1	बरेली जिला रायसेन स्थित संयुक्त एस.डी.एम. (राजस्व) भवन के लिए फर्नीचर की आपूर्ति, व्यवस्था और स्थापना।	रायसेन	92.31	92310	10000	02 माह वर्षाकाल सहित
3	2026_PWPIU_487343_1	शासकीय महाविद्यालय भवन मोहन बड़ोदिया जिला शाजापुर में बाउण्ड्रीवॉल एवं गेट निर्माण कार्य।	शाजापुर	175.27	175270	12500	12 माह वर्षाकाल सहित

1 निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाईट http:// mptenders.gov.in पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2 निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑन-लाईन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3 निविदा प्रपत्र केवल ऑन-लाईन दिनांक 02.03.2026 समय 10.30 से दिनांक 16.03.2026 समय 05.30 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाईट पर देखी जा सकती है।
4 निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाईट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

G27096/25

मुख्य अभियंता (भवन)
लोक निर्माण विभाग भोपाल

विधायक डॉ शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर सीएम से की मुलाकात

नर्मदा पुरम। विधायक डॉ सीताशरण शर्मा ने भोपाल स्थित मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से मुलाकात की। इस दौरान डॉक्टर सीताशरण शर्मा ने इटारसी विधान सभा क्षेत्र से संबंधित विकास कार्यों सहित लोक हितकारी विषयों का सकारात्मक रूप से संज्ञान लेने के लिए मुख्यमंत्री का विशेष आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही विधायक डॉ शर्मा ने मुख्यमंत्री से विकास सहित अन्य विषय पर विस्तार से चर्चा की।

जल जीवन मिशन, स्वास्थ्य और शिक्षा योजनाओं की प्रगति की समीक्षा, अधिकारियों को दिए निर्देश

अतिक्रमणकारियों विकास कार्यों में गुणवत्ता से समझौता नहीं: अपर मुख्य सचिव शुक्ला

रायसेन ■ निसं

अपर मुख्य सचिव संजय कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में बुधवार को भोपाल संभाग की विकास योजनाओं और शासकीय नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर आयुक्त कार्यालय के सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधायक दक्षिण पश्चिम भोपाल भगवानदास सबनानी, सांची विधायक प्रभुराम चौधरी, शमशाबाद विधायक सूर्यप्रकाश मीणा, नरसिंहगढ़ विधायक मोहन शर्मा एवं बैरसिया विधायक विष्णु खत्री सहित अन्य जिलों से सभी विधानसभाओं के विधायकगण भी वीसी के माध्यम से जुड़े। इसके साथ ही

रायसेन कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा सहित संबंधित जिलों के कलेक्टर्स, जिला पंचायत सीईओ तथा संबंधित विभागीय अधिकारी भी उपस्थित रहे।

बैठक में अपर मुख्य सचिव शुक्ला ने स्वास्थ्य, शिक्षा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नल-जल योजना और जल जीवन मिशन सहित विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की तथा योजनाओं के समयबद्ध और प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य, शिक्षा और आंगनवाड़ियों की सघन निगरानी: शुक्ला ने कलेक्टर्स को निर्देशित किया कि स्वास्थ्य सेवाओं, विद्यालयों और आंगनवाड़ियों के संचालन की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विशेष रूप से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और स्कूलों की व्यवस्थाओं पर सतत निगरानी रखने तथा किसी भी प्रकार की कमी या अनियमितता पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

अधोसंरचना और नगरीय विकास पर जोर: बैठक में अमृत-2.0 योजना के अंतर्गत किए जा रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्य पूर्ण होने के बाद सड़कों को जीर्ण-शीर्ण अवस्था में न छोड़ा जाए और उनका समय पर संधारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि नगरों के बढ़ते विस्तार को ध्यान में रखते हुए शहरों की बाहरी सीमाओं पर बहुद्देशीय विकास परियोजनाओं का निर्माण किया जाए, जिससे शहरी विकास को नियोजित स्वरूप मिल सके।

विभागीय समन्वय और प्रशासनिक सुदृढ़ता पर बल: अपर मुख्य सचिव शुक्ला ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी से जुड़ी समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन अधिकारियों के पास दोहरा प्रभार है, वे निर्धारित दिवसों पर संबंधित कार्यस्थलों पर उपस्थित रहकर कार्यों की नियमित समीक्षा करें।

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी कल करेंगे पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 22वीं किश्त का वितरण

रायसेन। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 22वीं किश्त का वितरण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 13 मार्च 2026 को गुवाहाटी असम से किया जाएगा। शासन द्वारा 22वीं किश्त वितरण दिवस को पीएमकिसान उत्सव दिवस के रूप में मनाया जाएगा। रायसेन जिले में भी 13 मार्च को पीएमकिसान उत्सव दिवस कार्यक्रम आयोजन हेतु कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा जिला पंचायत सीईओ, सभी एसडीएम और तहसीलदार तथा जनपद पंचायत सीईओ को निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रमों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सहभागिता होगी तथा जिला और विकासखण्ड स्तर पर एलईडी के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी के उद्बोधन के माध्यम से लाईव प्रसारण भी देखा जाएगा। इसके साथ ही ग्राम पंचायतों में भी कार्यक्रम के प्रसारण हेतु व्यवस्थाएं किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

जिले में स्थित 17 गैस एजेंसी के पास अभी 10384 घरेलू गैस सिलेंडर उपलब्ध

रायसेन। जिले में एलपीजी उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की परेशानी नही हो, इसके लिए कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा जिला खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति अधिकारी को दिशा-निर्देश दिए गए हैं। साथ ही यह भी निर्देशित किया है कि किसी भी स्थिति में वितरक स्तर पर एलपीजी सिलेंडर की जमाखोरी और कालाबाजारी की स्थिति निर्मित नहीं हो। जिला खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति अधिकारी श्री राजू कातुलकर ने बताया कि जिले में पेट्रोल, डीजल एवं घरेलू गैस सिलेण्डर का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है एवं आपूर्ति बनी हुई है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि रायसेन जिले में 17 गैस एजेंसी संचालित है तथा जिले में आज दिनांक को 10384 घरेलू प्रकृति के सिलेंडर सभी गैस एजेंसी में मौजूद है। किसी भी गैस एजेंसी में गैस सिलेंडरों की कोई कमी नहीं है। दैनिक विक्रय के मान से जिले में प्रतिदिन सभी गैस एजेंसियों से 4163 सिलेंडरों की बुकिंग कर उपभोक्ताओं द्वारा प्राप्त किए जाते हैं। इस प्रकार दैनिक खपत के बावजूद हमारे जिले में 3 दिन का भंडारण उपलब्ध है। जिले में किसी प्रकार से गैस की अभी कमी नहीं है। इसके अतिरिक्त निरंतर एजेंसियो द्वारा इंडेंट लगाकर गैस सिलेंडर कंपनी से प्राप्त किया जा रहा है।

गढ़ी की उद्यानिकी नर्सरी बदहाल, लोगों को नहीं मिल पा रहा लाभ

करीब 11 एकड़ में स्थापित नर्सरी में फलदार पौधों का उत्पादन ठप, पानी और सुरक्षा व्यवस्था भी नहीं

रायसेन ■ अमृत दर्शन

स्थानीय ग्रामीणों विशेषतौर पर किसानों को फलदार वृक्ष और सब्जी उत्पादन के लिए प्रोत्साहित कर उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनाने के उद्देश्य से स्थापित उद्यान विभाग की गढ़ी स्थित नर्सरी आज बदहाली का शिकार हो गई है। लगभग तीन दशक पहले रायसेन जिले की गैरतगंज तहसील के कस्बा गढ़ी में करीब 11 एकड़ भूमि पर यह उद्यानिकी नर्सरी स्थापित की गई थी, लेकिन वर्तमान में यहां किसानों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है। नर्सरी की स्थापना का उद्देश्य किसानों को फलदार पौधे उपलब्ध कराना और उन्हें बागवानी के लिए प्रेरित करना था, ताकि शासन की किसान हितैषी योजनाओं का लाभ उन्हें मिल सके। लेकिन वर्तमान में यहां फलदार पौधों के उत्पादन की कोई ठोस व्यवस्था नहीं है। नर्सरी परिसर में पानी की समुचित व्यवस्था का अभाव है, वहीं सुरक्षा

व्यवस्था भी पर्याप्त नहीं है।

सागौन के पेड़ों से घिरी जमीन: नर्सरी की अधिकांश भूमि पर सागौन के पेड़ खड़े हैं। वहीं जमीन में मुरम अधिक होने के कारण यहां फलदार पौधों की पौध तैयार करना भी मुश्किल हो रहा है। स्थानीय जनप्रतिनिधि सरपंच सैयद मसूद अली पटेल, पूर्व सरपंच भागचंद चौरसिया, पूर्व कृषि सभापति खेमचंद चौरसिया, जनपद सदस्य प्रतिनिधि रिज़वान खां, उप सरपंच बृजेश जाटव, समाज सेवी मोहन जाटव, का कहना है कि जब तक इस जमीन में काली मिट्टी, देसी खाद और सिंचाई की समुचित व्यवस्था नहीं की जाएगी, तब तक नर्सरी का विकास संभव नहीं है।

तहसील की एकमात्र उद्यानिकी नर्सरी: पूरी गैरतगंज तहसील के किसानों के लिए यह एकमात्र उद्यानिकी नर्सरी है, लेकिन यहां किसानों के हित में कोई विशेष व्यवस्था दिखाई नहीं देती। विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता के कारण किसानों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है।

ग्रामीणों ने की नर्सरी को सक्रिय करने की मांग: किसानों और क्षेत्रीय लोगों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि नर्सरी की बदहाल स्थिति पर गंभीरता से ध्यान दिया जाए और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराकर इसे पुन: सक्रिय किया जाए, ताकि किसानों को फलदार पौधे मिल सकें और वे सब्जी व बागवानी उत्पादन से अपनी आय बढ़ा सकें।

जल्द कराएंगे सुधार: गढ़ी उद्यानिकी नर्सरी के विकास कार्यों को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों से पत्राचार कर अवगत कराया गया है। कुछ कार्यों की स्वीकृति भी मिल चुकी है और जल्द ही सुधार कार्य शुरू किए जाएंगे।

सुरेंद्र रघुवंशी,
उद्यान अधीक्षक, गढ़ी

जिले के 779 वृद्धजन अयोध्या तीर्थ यात्रा हेतु हुए रवाना

रायसेन, निप्र। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत रायसेन जिले के 779 तीर्थ यात्री, अनुरक्षकों के साथ 11 मार्च को भोपाल स्थित कमलापति रेल्वे स्टेशन भोपाल से ट्रेन के माध्यम से अयोध्या के लिए रवाना हुए। रायसेन जिले के तीर्थ यात्रियों को रानी कमलापति रेल्वे स्टेशन भोपाल तक ले जाने हेतु जिला प्रशासन द्वारा वाहन व्यवस्था की गई थी। तीर्थ यात्रियों के लिए विकासखण्ड/तहसील स्तर पर वाहन व्यवस्था की गई, जहां से तीर्थ यात्री बसों के माध्यम से कमलापति रेल्वे स्टेशन भोपाल पहुचें। यहां सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी द्वारा तीर्थ यात्रियों को पुष्पहार पहनाकर उनका स्वागत किया गया तथा यात्रा हेतु शुभकामनाएं दी गई। इस अवसर पर उप संचालक सामाजिक न्याय श्री मनोज बाथम सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन हेतु 77121 किसानों ने कराया पंजीयन

रायसेन। रवि उपार्जन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपज विक्रय हेतु 77121 किसानों द्वारा पंजीयन कराया गया है। जिला खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति अधिकारी श्री राजू कातुलकर ने बताया कि जिले में विगत वर्ष 55177 किसानों द्वारा अपनी उपज का विक्रय शासकीय समर्थन मूल्य पर किया गया था।

इस प्रकार विगत वर्ष की तुलना में 22000 अधिक किसानों द्वारा पंजीयन करवाया गया है। किसान भाई अपनी उपज को समर्थन मूल्य पर विक्रय करने हेतु स्वेच्छा अनुसार उपार्जन केंद्र का चयन कर स्लॉट बुकिंग कर सकते हैं। जिले में गेहूं उपार्जन का कार्य 1 अप्रैल 2026 से प्रारंभ किया जाएगा।

सड़कों के निर्माण कार्य एवं डीपीआर तथा स्वीकृति की समीक्षा

सड़कों के मेंटेनेंस एवं मरम्मत का कार्य सड़क निर्माण विभाग प्राथमिकता से करें: कमिश्नर

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

सड़क निर्माण की डीपीआर बनाने में अधिक समय ना लगे, डीपीआर के पश्चात सड़क निर्माण का टेंडर प्राथमिकता से लगाया जाए। टेंडर के पश्चात सड़क निर्माण का कार्य भी अविलंब शुरू कर दिया जाए। सभी सड़कों की मेंटेनेंस एवं मरम्मत का कार्य अ विलंब शुरू किया जाए। उक्त निर्देश नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी ने बुधवार को आयोजित मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम, मध्य प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, मध्य प्रदेश हाउसिंग बोर्ड गृह निर्माण मंडल एवं मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड की संभागीय समीक्षा बैठक में दिए। प्रबंधक मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम ने बताया कि वर्तमान में हरदा से आशापुर सड़क का कार्य किया जाना है इसके साथ ही हरदा से खिड़कियां तक जाने वाली सड़क के मेंटेनेंस का कार्य भी किया जा रहा है। प्रबंधक मध्य प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण ने बताया कि वर्तमान में सड़कों के रिनुवल का कार्य कर रहे हैं, कई सड़कों के निर्माण कार्य के लिए टेंडर लगाए गए हैं। मुख्यमंत्री मजरा टोला के अंतर्गत सड़क निर्माण के कार्यों का सर्वे किया गया है। हर जिले की प्रत्येक विधानसभा में 20 किलोमीटर तक के सड़क का निर्माण कार्य विभाग द्वारा किया जाना है। इसके अनुरुप नर्मदापुरम जिले में 80 किलोमीटर की सड़क का निर्माण कार्य किया जाएगा। सोहागपुर में 14 सड़क एवं पिपरिया में 10 सड़क निर्माणाधीन है। हरदा में 40 एवं बैतूल में 100 किलोमीटर तक की रोड बनाई जा रही है। उन्होंने बताया कि माइनिंग के अंतर्गत कुछ सड़क आ रही है जिससे सड़क निर्माण में दिक्कत आ रही है। उन्होंने बताया कि कादी कला रोड व तारा रोड़ा रोड बारिश में खराब हो गई थी जिसके मेंटेनेंस का कार्य किया जाना है।

विद्युत विभाग के अधीक्षण यंत्री ने बताया कि सब स्टेशन मालाखेड़ी रायपुर, साधपुरा निभौरा में पावर स्टेशन बनने हैं। साधपुरा में एक हेक्टेयर क्षेत्र में सब स्टेशन बनाया जाएगा यहां से 25 किलोमीटर की विद्युत लाइन भी डाली जाएगी। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि ग्रीष्म ऋतु में लाइन लास ना हो विद्युत सप्लाई निर्बाध गति से चालू रहे। जहां भी ट्रांसफार्मर बंद होने की सूचना प्राप्त हो वहां पर प्राथमिकता से ट्रांसफार्मर भी बदले जाएं। बताया गया कि सोडलपुर सब स्टेशन भी इसी वर्ष कार्य करना शुरू कर देगा।

बैठक में हाउसिंग बोर्ड गृह निर्माण मंडल के ई ई ने। बताया कि बैतूल में केंद्रीय जेल का निर्माण कार्य विभाग द्वारा किया जा रहा है।

जनगणना 2027 की तैयारियों के संबंध में वीसी के माध्यम से की गई समीक्षा

जनगणना निदेशालय द्वारा सीएमएमएस पोर्टल के उपयोग पर डाला गया प्रकाश

नर्मदापुरम ■ निसं

जनगणना 2027 के प्रथम चरण की तैयारियों को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आयोजित की गई, जिसमें जनगणना से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई तथा सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग को निदेशक जनगणना कार्य निदेशालय म.प्र. कार्तिकेया गोयल, नेशनल ट्रेनर रामावतार पटेल तथा संयुक्त निदेशक एवं नेशनल ट्रेनर नमित यादव ने संबोधित किया। इस दौरान जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना से संबंधित कार्यों की समय-सीमा पर विस्तार से चर्चा की गई।

अधिकारियों द्वारा विशेष रूप से जनगणना 2027 के लिए विकसित डिजिटल टूल सीएमएमएस पोर्टल के माध्यम से सभी कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए कहा गया। साथ ही जिलों में आयोजित की जाने वाली आगामी प्रशिक्षण (ट्रेनिंग) कार्यक्रमों के संबंध में भी जानकारी दी गई। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान कलेक्टर नर्मदापुरम सुसोनिया मीना, अपर कलेक्टर अनिल जैन, जिले के समस्त चार्ज अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सेठानी घाट पर अतिक्रमण का बोलबाला

सुलभ शौचालय जाने वाली महिलाओं से अभद्रता, प्रशासन मौन

नर्मदापुरम ■ निसं

स्थानीय प्रसिद्ध सेठानी घाट स्थित सुलभ कॉम्प्लेक्स के पास कुछ रसूखदार लोगों द्वारा किए गए अतिक्रमण ने आम नागरिकों और श्रद्धालुओं की मुसीबत बढ़ा दी है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि इस अतिक्रमण के कारण न केवल रास्ता संकरा हो गया है, बल्कि यहां जमा होने वाले असामाजिक तत्व शौचालय जाने वाले लोगों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों पर अभद्र टिप्पणियां (कमेंट) करते हैं।

इस गंभीर मामले की शिकायत स्थानीय नागरिकों द्वारा अनेकों बार नगर पालिका प्रशासन से की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। धार्मिक महत्व के केंद्र सेठानी घाट पर जगह-जगह किए गए इस अतिक्रमण के कारण आवागमन पूरी तरह अवरुद्ध हो रहा है।

श्रद्धालुओं को हो रही भारी असुविधा: सबसे अधिक समस्या राष्ट्रीय पर्वों, अमावस्या और पूर्णिमा जैसे विशेष अवसरों पर होती है, जब हजारों की संख्या में बाहरी श्रद्धालु नर्मदा स्नान के लिए यहां पहुंचते हैं। स्नान के पश्चात श्रद्धालु घाट से सटे सुलभ शौचालय का उपयोग करने जाते हैं, लेकिन शौचालय के ठीक बाजू में सरकारी जमीन पर हुए अवैध कब्जे और वहां मौजूद लोगों के व्यवहार के कारण श्रद्धालुओं को भारी असुविधा और मानसिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ रहा है। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द इस अतिक्रमण को हटाकर घाट की मर्यादा और सुरक्षा बहाल की जाए।

टीईटी-2026 परीक्षा स्थगित करने की मांग, मप्र शिक्षक संघ ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

रायसेन ■ निसं

मध्यप्रदेश शिक्षक संघ ने शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी)-2026 को फिलहाल स्थगित करने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री को पत्र भेजा है। संघ ने मांग की है कि इस विषय से जुड़े मामले में सर्वोच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर होने और निर्णय आने तक परीक्षा आयोजित न की जाए। संघ के प्रांताध्यक्ष डॉ. क्षत्रवीर सिंह राठौर एवं महामंत्री राकेश कुमार गुप्ता द्वारा भेजे गए पत्र में बताया गया है कि 1 सितंबर 2025 को सर्वोच्च न्यायालय दिल्ली द्वारा दिए गए निर्णय के अनुसार शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 23(1) और राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) की अधिसूचना 2011 के तहत कक्षा 1 से 8 तक शिक्षक बनने के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। संघ के रायसेन जिला अध्यक्ष गिरीश चंदेल ने पत्र की जानकारी देते हुए बताया कि पत्र में उल्लेख किया गया है कि प्रदेश में वर्ष 1998 से 2000 के बीच नियुक्त शिक्षकों तथा 2005 व 2008 में संविदा शाला शिक्षक, शिक्षा कर्मी और गुरूजी की पात्रता परीक्षाएं आयोजित कर उन्हें नियमानुसार नियुक्त किया गया था। इसके बाद 2011 के बाद नियुक्त शिक्षक भी टीईटी उत्तीर्ण कर चयनित हुए और वर्तमान में 20 से 22 वर्षों से शिक्षण कार्य कर रहे हैं।

प्रभु नाम का सुमिरन ही सज्जनता की सच्ची पहचान: कृष्णा देवी

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

सेठानी घाट स्थित सत्संग चौक पर पंडित रामलाल शर्मा स्मृति समारोह 2026 के दूसरे दिन भक्ति की अविरल धारा बही। व्यासपीठ से प्रवचन देते हुए विदुषी श्रीमती कृष्णा देवी मिश्रा ने हनुमान जी और विभीषण के प्रसंगों के माध्यम से 'शरणागति' और 'अखंड विश्वास' का महत्व समझाया।

सज्जनता की परिभाषा: श्रीमती मिश्रा ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों (लंका) में भी जो सुबह उठकर राम-नाम का स्मरण करता है, वही वास्तव में सज्जन है।

हनुमान-विभीषण प्रसंग: उन्होंने बताया कि हनुमान जी का अटूट विश्वास ही उन्हें बाधाओं के पार ले गया। जिस तरह एक चित्र का हिस्सा चित्र ही होता है, वैसे ही हम सब ईश्वर के अंश हैं।

सांस्कृतिक संदर्भ: कथा में श्री रामकृष्ण परमहंस के संस्मरणों और कृत्तिवास रामायण के प्रसंगों का विशेष उल्लेख किया गया।

भजनांजलि: गायक चित्रांश गोपाल अग्रवाल ने सुमधुर भजनों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके साथ सक्षम पाठक (तबला), आदित्य परसाई (हारमोनियम) और यश मालवीय (गिटार) ने संगत की।

विशेष उपस्थिति: कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष पंडित भवानी शंकर शर्मा, प्रो. के.जी. मिश्र और अन्य गणमान्य नागरिकों द्वारा स्वागत के साथ हुआ। समारोह का समापन श्रीमती कृष्णा देवी के प्रसिद्ध शयन पद के साथ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भावविभोर नजर आए।

सराफा कारोबारी पिता-पुत्र ने बंधक बनाकर की मारपीट

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम जिले के माखननगर नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष और सराफा व्यापारी पिता-पुत्र पर एक टेंट हाउस संचालक को बंधक बनाकर मारपीट करने का मामला सामने आया है। ग्राम सोनतलाई निवासी टेंट हाउस व्यापारी बृजमोहन यादव की शिकायत पर माखननगर थाने में कांग्रेस नेता मिलन डेरिया और उनके बेटे अमन डेरिया के खिलाफ मारपीट और बंधक बनाने की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। उधारी के लेनदेन से जुड़ा है विवाद: पुलिस के अनुसार पूरा मामला उधारी के पैसों के लेनदेन से जुड़ा हुआ है। बृजमोहन यादव ने अपनी शिकायत में बताया कि वह टेंट हाउस का व्यवसाय करता है और अमन डेरिया ने उसके खिलाफ चेक बाउंस का केस लगाया था। इस मामले में 6 मार्च 2026 को नर्मदापुरम न्यायालय में पेशी थी। वहीं समर्थ डेरिया से मुलाकात हुई, जिसने उसे समझौते के लिए माखननगर स्थित दुकान पर आने को कहा।

केसला की छात्राओं को 'द केरला स्टोरी

फिल्म दिखाई, जागरूक रहने का दिया संदेश

केसला ■ अमृत दर्शन

क्षेत्र की बालिकाओं और छात्राओं को जागरूक करने के उद्देश्य से केसला मंडल अध्यक्ष सुशील बरखड़े के द्वारा छात्राओं को फिल्म 'द केरला स्टोरी' दिखाई गई। इटारसी स्थित गोल्डमार्क टॉकीज में आयोजित इस विशेष प्रदर्शन में बड़ी संख्या में छात्राएं शामिल हुईं।

इस अवसर पर केसला मंडल अध्यक्ष सुशील बरखड़े ने बताया कि फिल्म दिखाने का उद्देश्य बालिकाओं और छात्राओं को जागरूक करना है, ताकि वे किसी भी प्रकार के बहकावे में न आएं और अपने भविष्य तथा सुरक्षा के प्रति सजग रहें।

उन्होंने कहा कि समाज और परिवार को भी इस विषय में सतर्क रहने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष गंगाराम कालमे, जगदीश बावरिया, अजय साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा आर.टी.ओ. ऑफिस के पास, सागर रोड, रायसेन से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित।: संपादक- डी.पी.गोयल। मो.9827054436, 9826735596. व्यवस्थापक: श्याम अग्रवाल, भोपाल कार्यालय: 4240007. फैक्स:0755-4296195 (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)।